04 - दबाव का केजरीवाली आतिशी दांव

05 - पूर्वजों को जल देना सिर्फ कर्मकांड नहीं, विज्ञान भी

A Daily News Magazine

भोपाल

गुरुवार, 19 सितम्बर , 2024

06 - सुभाष वार्ड में हाई टेंशन लाइन के नीचे अतिक्रमणकारियों का...

07- ग्राम पंचायत रमपुरा में खुलेगा हाई स्कूल,50 लाख रुपये स्कूल भवन के लिये देने की...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-22 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

आतिशी का चुनाव सुनीता से बेहतर, किंतु काँटों से भरा ताज

ओंकारेश्वर पांडेय

अपनी पत्नी और आम आदमी पार्टी की एक कद्दावर नेता बन चुकी नेता सुनीता केजरीवाल को दरकिनार कर आतिशी मार्लेना का चुनाव करके पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। अगर वे सुनीता केजरीवाल को चुनते तो उनके ऊपर भी लालू यादव की तरह, बिना अनुभव के सिर्फ परिवारवाद को बढ़ावा देने और पार्टी में लोकतंत्र खत्म कर देने जैसे आरोप लगाये जाते। सुनीता केजरीवाल ने पति और पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल के जेल के दिनों के मुश्किल राजनीतिक दौर में उनका और पार्टी का पूरा साथ समर्थन तो दिया, लेकिन आतिशी का चुनाव शुद्ध रूप से उनके प्रशासनिक अनुभव, साफ छवि, और सुधारवादी दृष्टिकोण के साथ साथ केजरीवाल के प्रति उनकी पूर्ण वफादारी के कारण सर्वाधिक उपयुक्त माना जा रहा है। हालांकि आतिशी के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी सत्ता का सुखदायी सिंहासन नहीं, बल्कि चुनौतियों और कांटों से भरा ताज मिला है।

आम आदमी पार्टी (आप) के अन्य कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री पद के लिए योग्य हो सकते थे, लेकिन उनके खिलाफ लगे विभिन्न आरोप और कुछ अन्य कारणों से शायद वे इस पद के लिए चयनित नहीं हुए।

1. **उप मुख्यमंत्री तथा शिक्षा और वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया:** पार्टी में दूसरे नंबर के बड़े नेता मनीष भी दिल्ली शराब नीति घोटाले में आरोपी हैं और गिरफ़्तार भी हो चुके हैं।

2. **स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन:** दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक की सफलता के लिए जाने जाने वाले जैन पर भी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं और उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था।

3. **परिवहन और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय:** गोपाल राय एक अनुभवी और प्रभावशाली नेता हैं, लेकिन जनाधार सीमित है और किसी बड़े प्रशासनिक सुधार या योजना में उतनी प्रमुख भूमिका नहीं रही है।

4. **कैलाश गहलोत:** गहलोत पर भी कुछ विवादास्पद जमीन सौदों से जुड़े आरोप हैं।

5. **सुनीता केजरीवाल:** अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का भी नाम संभावित उम्मीदवारों में था, लेकिन उनका प्रशासनिक अनुभव सीमित है और राजनीति में उनकी कोई सीधी भूमिका नहीं रही है।

आतिशी की छवि साफ है, प्रशासनिक अनुभव मजबूत है और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान प्रमाणित है। उनका चयन पार्टी को स्वच्छ और प्रगतिशील नेतृत्व देने के अवसर के साथ विपक्ष के आरोपों का भी माकूल जवाब है।

हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी को सत्ता का सुखदायी सिंहासन नहीं बल्कि चुनौतियों और कांटों से भरा ताज मिला है। मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी के सामने अनेक चुनौतियाँ होंगी जो न केवल उनकी प्रशासनिक क्षमता की परीक्षा लेंगी, बल्कि उनकी राजनीतिक सूझ-बूझ और नेतृत्व क्षमता का भी सख्त इम्तिहान होंगी। सबसे बड़ी चुनौती सुशासन की होगी, जो दिल्ली के आम आदमी की जमीनी समस्याओं से जुड़ी है- चाहे वह पानी की किल्लत हो, प्रदूषण का मुद्दा हो, या स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार के निरंतर प्रयास। इसके अलावा, लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ तालमेल बैठाना, जो अक्सर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच टकराव का कारण बनता है, भी आतिशी के लिए एक प्रमुख चुनौती होगी।

अरविंद केजरीवाल ने एक बार कहा था, 'आतिशी भारतीय राजनीति में सबसे उज्ज्वल दिमागों में से एक हैं। उनका शिक्षा व्यवस्था में सुधारों का कार्य अतुलनीय है, और उनमें दिल्ली को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता है।'

केजरीवाल का उनके प्रति यह भरोसा स्पष्ट है, लेकिन एक सुधारक से लेकर एक राजनीतिक नेता बनने तक की यात्रा, जो दिल्ली जैसे जटिल शहर की पूरी शासन संरचना को संभालेगी, एक कठिन कार्य होगा।

सुशासन, शिक्षा सुधार, और महिला सशक्तिकरण की प्रमुख कर्ताधर्ता रहीं आतिशी मार्लेना दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में कम उम्र में राजनीति की उस ऊंचाई पर जा खड़ी हुई हैं, जहां पहुंचने के लिए अनेक नेता अपना पूरा राजनीतिक जीवन लगा देते हैं। राजनीतिक लचीलेपन, बौद्धिक दृष्टिकोण और सुधारवादी नीतियों से भरी उनकी यात्रा और पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का उनके प्रति विश्वास ने उन्हें दिल्ली की नेतृत्व भूमिका में ला दिया है, जो एक लाइफ टाइम एचीवमेंट और स्वर्णिम अवसर है।

मुख्यमंत्री पद की चुनौती उनके नेतृत्व, प्रशासनिक क्षमताओं और राजनीतिक कौशल की नई परीक्षा तो होंगी ही पार्टी के अंदरूनी समीकरणों को संभालना, विपक्ष के हमलों का प्रभावी जवाब देना और पार्टी की छवि को बनाए रखना भी उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। बावजूद इसके कि उन्हें केजरीवाल का समर्थन प्राप्त है, यह अवसर उनके लिए महत्वपूर्ण भी है और चुनौती पूर्ण भी। देखना होगा कि वह इन कड़ी चुनौतियों से कैसे निपटती हैं और दिल्ली की जनता का विश्वास कैसे जीतती हैं।

जब केजरीवाल, सिसोदिया व संजय सिंह से लेकर पार्टी के कई बड़े नेता जेल में थे, और दिल्ली सरकार में नेतृत्व का अभाव सा था, तो आतिशी ने इन महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक संभाल कर अपनी प्रशासनिक क्षमता साबित की, जिससे पार्टी में उनके प्रति विश्वास और मजबूत हुआ।

आतिशी की राजनीतिक यात्रा में कठिनाइयाँ भी रही हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में पूर्वी दिल्ली से बीजेपी के गौतम गंभीर से हारना उनके लिए बड़ा झटका था। इस हार ने दिखाया कि उन्हें जनाधार बढ़ाने और मजबूत राजनीतिक व्यक्तित्व के निर्माण की आवश्यकता है। हालांकि 2020 के विधानसभा चुनाव में कालकाजी से उनकी जीत ने उनकी राजनीतिक स्थिति को मजबूत किया। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रही स्वाति मालीवाल द्वारा केजरीवाल के पीए रहे विभव कुमार पर लगाये आरोपों और केजरीवाल द्वारा उन्हें राज्यसभा से इस्तीफा देने को कहने के बीच जारी विवादों के आलोक में भी आतिशी का मुख्यमंत्री बनना यह साबित करेगा कि आप प्रगतिशील नेतृत्व, लैंगिक समानता और स्वच्छ शासन के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी का चुनाव एक अहम रणनीतिक कदम भी है और बीजेपी और कांग्रेस द्वारा पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल की आलोचनाओं का जवाब भी। केजरीवाल ने यह साफ संदेश दिया है कि आप भविष्य के लिए नए नेताओं को तैयार कर रही है जो पार्टी को आगे ले जा सकते हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री बनना आतिशी मार्लेना के लिए एक निर्णायक क्षण है। आतिशी ने कहा है, 'अच्छा शासन केवल नीतियों के बारे में नहीं है, यह लोगों के बारे में है।' इस कथन में उनका मानवीय दृष्टिकोण स्पष्ट है, लेकिन मुख्यमंत्री के तौर पर उनके धैर्य, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व की वास्तविक परीक्षा होगी। अगर वह इन चुनौतियों से पार पाती हैं, तो वह न केवल दिल्ली की एक प्रमुख नेता बनेंगी, बल्कि भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय भी लिखेंगी।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

वन नेशन वन इलेक्शन को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

विधानसभा-लोकसभा चुनाव साथ होंगे, नवंबर-दिसंबर में आएगा बिल

अगले 100 दिन में निकाय चुनाव भी, आगे का सफर नहीं होगा आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एक देश एक चुनाव को बुधवार को मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए एक कमेटी बनाई गई थी जिसके चेयरमैन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे। कोविंद ने अपनी रिपोर्ट इस पर मोदी कैबिनेट को दी जिसके बाद उसे सर्वसम्मति से मंजूर कर दिया गया। हालांकि इसके बाद आगे का सफर आसान नही होने वाला है। इसके लिए संविधान संशोधन और राज्यों की मंजूरी भी जरूरी है, जिसके बाद ही इसे लागू किया जाएगा। एक देश एक चुनाव पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की रिपोर्ट को नरेंद्र मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। माना जा रहा है कि अब केंद्र सरकार इसे शीतकालीन सत्र में संसद में लाएगी। हालांकि, ये संविधान संशोधन वाला बिल है और इसके लिए राज्यों की सहमति भी जरूरी है। 2024 के आम चुनाव में बीजेपी ने वन नेशन वन इलेक्शन का वादा किया था। मार्च में, राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में पैनल ने अपनी 18,626 पेज वाली रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। कैबिनेट की ओर से हां के संकेत एक दिन पहले ही मिल गए थे, जब गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि एक राष्ट्र, एक चुनाव मोदी सरकार 3.0 के कार्यकाल के दौरान अगले पांच वर्षों के भीतर लागू किया जाएगा।

सुप्रभात

समय ही समय से
जूझ रहा है
चारों ओर तलवारें
तनी हैं
बीच में इंसान खड़ा है
चारों ओर बेईमान
सिपाहियों की
फौज़ खड़ी है
बीच में ईमान खड़ा है
पहाड़-सा अडिग
चारों ओर हाहाकार का
शोर है
बीच में संगीत की गूंज है
चारों ओर भेड़ियों की
भीड़ है
बीच में तनी हुई रीढ़ के साथ
स्त्रियां खड़ी हैं
चारों ओर झूठे वादों की
भरमार है
बीच में सत्य बोल रहा है
पूरी दृढता के साथ
ऐसे में
समय ही समय से
लोहा ले रहा है।

- दुर्गाप्रसाद झाला

कोलकाता केस में डॉक्टरों का हड़ताल खत्म करने से इनकार

- ममता बनर्जी से फिर मीटिंग की मांग की, कहा-आधी जीत हुई, हेल्थ सेक्रेटरी इस्तीफा दें

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल खत्म करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने ममता से एक और मीटिंग की मांग करते हुए चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत को ईमेल भेजा है, जिसमें कहा गया है कि अभी तक सभी मांगें नहीं मानी गई हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार से पुलिस कमिश्नर और हेल्थ सेक्रेटरी को हटाने समेत 5 मांगें की थीं। इसके लिए वे 40 दिन से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। 16 सितंबर को जूनियर डॉक्टर और ममता के बीच मीटिंग हुई थी। इसमें ममता ने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मान ली थीं। उन्होंने मंगलवार को पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटाया था। उनकी जगह मनोज वर्मा को कमिश्नर बनाया गया। बुधवार सुबह प्रदर्शन जारी रखते हुए डॉक्टरों ने कहा- अभी आधी जीत हुई। हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम का इस्तीफा जरूरी है। अस्पतालों में थ्रेट कल्चर खत्म करने की मांग भी अभी नहीं मानी गई है। इसलिए सीएम से एक और मीटिंग की मांग की है।

इंदौर पहुंचीं राष्ट्रपति, राज्यपाल-सीएम ने किया स्वागत

दो दिवसीय प्रवास पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इंदौर पहुंची। एयरपोर्ट पर राज्यपाल, सीएम मोहन यादव समेत मंत्रीगणों ने उनका स्वागत किया।

राष्ट्रपति ने चंदेरी, महेश्वरी की दो साड़ियां खरीदी

जनजाति संस्कृति एवं कला को संरक्षित रखने कलाकारों का योगदान महत्वपूर्ण : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू, आज महाकाल के दर्शन करेंगी

भोपाल/ इंदौर (नप्र)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर इंदौर हैं। राष्ट्रपति एयरपोर्ट से सीधे मृगनयनी एम्पोरियम पहुंचीं, जहां कलाकारों से मुलाकात की। मृगनयनी के आर्टिस्ट ने उनको पेंटिंग गिफ्ट की। इस दौरान मुर्मू ने 33 हजार रुपए की दो साड़ियां भी खरीदी। इससे पहले एयरपोर्ट पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, सीएम डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने राष्ट्रपति की अगवानी की। राष्ट्रपति रात्रि विश्राम रेसीडेंसी कोठी में करेंगी। इस दौरान दिल्ली से चलने वाली सारी गतिविधियां और फैसले भी यहीं से होंगे। राष्ट्रपति 19 सितंबर को सुबह उज्जैन में महाकाल दर्शन करेंगी। यहां इंदौर-उज्जैन सिक्स-लेन प्रोजेक्ट का शिलान्यास करेंगी। इंदौर लौटकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। उसके बाद दिल्ली लौट जाएंगी।

स्थानीय कलाकार ने भेंट की बाग प्रिंट की साड़ी- मृगनयनी एम्पोरियम में राष्ट्रपति ने धार की बाग प्रिंट की साड़ी और ड्रेस मटेरियल बनाने वाले स्थानीय कलाकार मुबारिक खत्री से बाग प्रिंट के बारे में जानकारी ली। खत्री ने राष्ट्रपति के लिए विशेष रूप से गुलाबी और रेड-ब्लैक कलर में डिजाइन की गई बाग प्रिंट की साड़ी भेंट की। मृगनयनी के स्टाफ ने बताया कि राष्ट्रपति को कोसा सिल्क और चंदेरी सिल्क की दो साड़ियां पसंद आईं। उन्होंने ये दोनों ही साड़ियां खरीदीं। इनमें से एक साड़ी 14 और एक साड़ी की कीमत 19 हजार रुपए है। इस तरह राष्ट्रपति ने कुल 33 हजार रुपए की दो साड़ियों की खरीदारी की।

झाबुआ के परमार दंपती ने झाबुआ की प्रसिद्ध गुड़िया और जनजातीय प्रतीक चिन्ह राष्ट्रपति को भेंट किया। मृगनयनी केंद्र पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यहां मध्य प्रदेश के हस्तशिल्प और जनजाति कलाकारों से भी मिलीं। इस दौरान गोंडी भित्ति चित्रकार दुर्गा व्याम ने उन्हें अपनी बनाई हुई पेंटिंग भेंट की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिल्पकारों से चर्चा के दौरान कहा कि हमारी पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को संजो कर संरक्षित रखने की जरूरत है। यहाँ के शिल्पकार इसमें अच्छा योगदान दे रहे हैं। इन्हें प्रोत्साहन देने की जरूरत है, जिससे इन्हें रोजगार के अवसर मिल सकें। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने शिल्पकारों के आग्रह पर उनके साथ तस्वीर भी खिंचवाई।

अकादमी बनाकर मलखंब और जिम्नास्टिक को किया जाएगा प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्पोर्ट्स एडवेंचर के लिए साहसिक खेलों को करें शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में मलखंब और जिम्नास्टिक को प्रोत्साहित करने के लिए उज्जैन में पृथक-पृथक अकादमी का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि साहसिक खेल गतिविधियों को पर्यटन एवं वन के साथ जोड़कर स्पोर्ट्स एडवेंचर के रूप में मुख्य खेलों में शामिल करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विभिन्न जिलों से युवाओं का चयन कर साहसी खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाएं। उन्होंने कहा कि महिला, किसान, युवा, गरीब को ध्यान में रखकर रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम संचालित किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक जिले में खेल स्टेडियम का निर्माण इस प्रकार किया जाए कि प्रत्येक स्टेडियम में एक हेलीपेड भी हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में बुधवार को खेल एवं युवक कल्याण की विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव श्रीमती स्मिता भारद्वाज घाटे, प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी एवं संचालक श्री रवि कुमार गुप्ता भी उपस्थित थे।

काठियावाड़ी घोड़े ज्यादा श्रेष्ठ- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घुड़सवारी के खेल के लिए काठियावाड़ी घोड़ों का प्रदर्शन बहुत अच्छे स्तर का होता है। हम काठियावाड़ी घोड़ों को खेलों में शामिल करते हैं तो और भी बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने कहा कि घुड़सवारी एवं शूटिंग में मध्यप्रदेश की परफार्मेंस अच्छी है।

जम्मू-कश्मीर में पहले फेज में 60 फीसदी वोटिंग

- किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23 फीसदी वोट पड़े

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहले फेज के लिए बुधवार शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हो गई। बुधवार को 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक का मतदान प्रतिशत लगभग 60 फीसदी रहा। फाइनल आंकड़ा आना बाकी है। शाम 5 बजे तक आए आंकड़ों के मुताबिक, किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23त्न और पुलवामा में सबसे कम 43.87 फीसदी वोटिंग हुई। आज 23.27 लाख वोटर्स को मतदान करना था। पहले फेज की वोटिंग को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले 35 हजार से ज्यादा विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने भी वोट डाले। उनके लिए कुल 24 स्पेशल बूथ बनाए गए थे। दिल्ली 4, जम्मू 19 और उधमपुर में 1 बूथ था। 2014 में पहले फेज में 22 सीटें पर हुई थी वोटिंग साल 2014 के विधानसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में दक्षिण कश्मीर की 22 सीटों पर चुनाव हुए थे।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 19 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

मायावती ने बढ़ाई बीजेपी-कांग्रेस की टेंशन

- 35 सीटों पर खेल बिगाड़ सकते हैं दलित वोटर
- इनेलो से गठबंधन कर जाटों को लुभाया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में बसपा सुप्रीमो मायावती बीजेपी और कांग्रेस दोनों की टेंशन बढ़ा सकती हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह बीएसपी का परंपरागत वोट बैंक है, जो चुनाव में खेल बना भी सकता है और बिगाड़ भी सकता है। मायावती हरियाणा पर इसलिए भी फोकस कर रही हैं, क्योंकि यहां 21 फीसदी दलित वोट बैंक है। यही वो वोट बैंक है, जो

मायावती को हरियाणा में मजबूत दावेदार बनाता है। प्रदेश में दलित आबादी वंचित अनुसूचित जाति और अन्य अनुसूचित जाति के रूप में वर्गीकृत हैं। हालांकि बीएसपी को छोड़कर सभी राजनीतिक दल इन पर अपना हक जताते हैं, लेकिन पिछले 4 चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य में बीएसपी का वोट बैंक जरूर बढ़ा या घटा है। इसके अलावा विधानसभा की 17 सीटें आरक्षित हैं और राज्य की 35 सीटों पर दलित वोटरों का प्रभाव है। बीएसपी सुप्रीमो का टारगेट 17 और 35 सीटों पर है, जहां दलित वोटरों का प्रभाव है, ताकि हरियाणा में बीएसपी गेम चेंजर की भूमिका में रहे। हरियाणा की आबादी में दलितों की हिस्सेदारी 20.2 फीसदी है।

खराब काम करने वालों को करेंगे सिस्टम से बाहर

- नितिन गडकरी ने अफसरों को लगाई फटकार, बोले- रोड तो बहुत बना लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार वो इस वजह से चर्चा में हैं कि उन्होंने मंच से ही अफसरों को फटकार लगा दी। नितिन गडकरी ने ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे के रखरखाव पर नाराजगी जाहिर करते हुए

मंच से अफसरों को फटकार लगाई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने रोड तो बहुत बना लिए। अब खराब काम करने वालों को सिस्टम से बाहर करना है। गडकरी ने मंगलवार को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस के दुहाई इंटरजेंच पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पेरिफेरल रोड पर मैं बहुत दिनों के बाद आया हूं। हमारे रोड का काम बहुत अच्छा हुआ है, अब मेरी इच्छा है कि मेरे हाथ से बहुत लोग रिटायर हों, काम न कर पाएं। कुछ कॉन्ट्रैक्टर ब्लैकलिस्टेड हों, कुछ की बैंक गारंटी जब्त हो।

हाईकोर्ट इंदौर ने कलेक्टर, एसपी की कार्रवाई को बताया निंदनीय

सेंट टेरेसा जमीन मामले में आया नया मोड़, हाईकोर्ट ने शून्य किए प्रकरण

धार। धार के सेंट टेरेसा जमीन के मामले में मंगलवार को नया मोड़ आ गया। इस मामले में आयुषी सुधीर जैन व सरिता जैन द्वारा दायर याचिका को हाईकोर्ट, इंदौर द्वारा याचिका स्वीकारते हुए कोर्ट ने एसपी धार द्वारा की गई कार्रवाई और याचिका के लंबित रहने के दौरान याचिकाकर्ता और अन्य के खिलाफ की गई आपराधिक कार्रवाई को शून्य और अमान्य घोषित कर दिया। हाईकोर्ट ने मामले में कलेक्टर धार द्वारा जारी आदेश निरस्त कर दिया है। 14 पेज के फैसले में हाईकोर्ट ने कलेक्टर और एसपी द्वारा की गई कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा है कि ये अधिकारी संयुक्त रूप से याचिकाकर्ता को 50 हजार रुपये का भुगतान करे।

ये था मामला- महू तहसील के जयसिंह ठाकुर की शिकायत पर पुलिस ने जांच की थी। तत्कालीन डीएसपी यशस्वी शिंदे ने 28 नवंबर 2011 में प्रकरण दर्ज कर 27 लोगों को आरोपी बनाया था। इसमें एक संस्था के सदस्य भी आरोपी बने थे। पुलिस ने ताबड़तोड़ शहर के प्रतिष्ठित लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने वृद्ध महिला को भी जेल यात्रा करा दी थी। हालांकि पुलिस को इस कृत्य के लिए न्यायालय ने अर्थदंड भी लगाया है। श्रीमती आयुषी सुधीर जैन एवं 70 वर्षीय महिला सरिता जैन के पक्ष में स्टे होने के बावजूद प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई। कई सिविल कोर्ट के निर्णय, बिल्डिंग परमिशन ,नजूल अनापत्ति,डायवर्सन आदेश आदि भूमिस्वामी के पक्ष में होने के बावजूद कार्रवाई की गई। अपराधिक प्रकरण बना दिया गया।

कलेक्टर के आदेश को अवैधानिक बताया- न्यायालय के बताया कि विधि विरूद्ध कार्रवाई की गई है। उच्च न्यायालय ने प्रकरण व अन्य सभी दंडात्मक कार्यवाही शून्य माना है। निर्माण संबंधी ,खरीदी बिक्री पर रोक के कलेक्टर द्वारा पारित आदेश को अवैधानिक घोषित किया है।

लगाया अर्थदंड- न्यायालय ने अधिकारियों पर अर्थदंड भी लगाया है। तत्कालीन एसपी व डीएसपी के कृत्य को निंदनीय बताया है। आयुषी जैन व सरिता जैन को हुई हानि पर दोषी अधिकारियों पर 50000/- रू कॉस्ट अधिरोपित की । दोषी अधिकारियों पर कंटेम्प्ट की प्रथक कार्यवाही अभी न्यायालय में प्रचलित है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ने रीट याचिका क्रमांक 23674/2023 में किसी अन्य प्रकरण में ठहराया था कि उक्त सेंट टेरेसा की भूमि शासकीय भूमि नहीं है जिसकी अपील भी शासन की खारिज हुई थी ।

कई प्रतिष्ठित लोगों की मानहानि हुई- इस प्रकरण शहर के कई प्रतिष्ठित लोग भी जद में आए थे। इनमें कई इनवेस्टर थे जिन्होंने जमीन खरीदी थी। बडी संख्या में पुलिस बल ने इनके घरों में दबिश देकर इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा था। प्रतिष्ठा भी धूमिल हुई। वृद्ध जैन का कहना है कि न्यायालय से उन्हें न्याय मिला है।

सरकारी गाइड लाइन अनुसार 11 करोड 71 लाख की जमीन पर तत्कालीन पुलिस अधिकारियों द्वारा उक्त मामले में प्रसिद्धि पाने के लिए सनसनी खेज बनाते हुए 250 करोड़ का ढिंढोरा पीटा गया ताकि की किसी भी व्यक्ति को कंही से न्याय नहीं मिल सके। जमीन मगजपुरा क्षेत्र में आती है। यहां पर कई व्यावसायिक इमारतें,स्कूल, अस्पताल है। जानकारी के अनुसार इस जमीन की सरकारी गाईडलाईन मात्र 11 करोड़ 71 लाख रुपए है।जिसे पुलिस ने 250 करोड बता दिया था।

धार के एडवोकेट इशान तिवारी ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में आयुषी सुधीर जैन व सरिता जैन द्वारा दायर याचिका को हाईकोर्ट, इंदौर द्वारा याचिका स्वीकारते हुए कोर्ट ने एसपी धार द्वारा की गई कार्रवाई और याचिका के लंबित रहने के दौरान याचिकाकर्ता और अन्य के खिलाफ की गई आपराधिक कार्रवाई को शून्य और अमान्य घोषित कर दिया। हाईकोर्ट ने मामले में कलेक्टर धार द्वारा जारी आदेश निरस्त कर दिया है। 14 पेज के फैसले में हाईकोर्ट ने कलेक्टर और एसपी द्वारा की गई कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा है कि ये अधिकारी संयुक्त रूप से याचिकाकर्ता को 50 हजार रुपये का भुगतान करे।

महिलाओं के कपड़े पहनकर डकैती, पुलिस ने सर्वेयर बनकर पकड़ा

मंदिर से 10 किलो चांदी आभूषण लूटने वाले बदमाश राजस्थान से गिरफ्तार

गुना (नप्र)। गुना के हनुमान टेकरी मंदिर पर डकैती डालने वाले पकड़े गए हैं। वारदात राजस्थान की कालबेलिया गैंग ने की थी। डकैतों को ट्रेस करना पुलिस के लिए काफी चैलेंजिंग था। 20 पुलिसकर्मियों की टीम ने लगातार 20 दिन मेहनत की और 10 किलो चांदी रिकवर कर ली।

पहला क्लू घटना के 14 दिन बाद मिला। यह 6 सेकेंड का सीसीटीवी फुटेज था। इसके लिए पुलिस को 150 किलोमीटर में लगे करीब 500 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने पड़े। इसी एक क्लू के आधार पर पुलिस एक हफ्ते में डकैतों तक पहुंच गई और तीन आरोपी धर लिए। एक आरोपी सुनार है, जो चांदी के आभूषणों को गलाकर ईंट बना रहा था।

हनुमान टेकरी मंदिर गुना जिला मुख्यालय से 5 किलोमीटर दूर है। यह मंदिर महाभारत काल का है। ऐसी मान्यता है कि यहां धनुर्धर कर्ण ने भी तपस्या की थी। हनुमान जी की प्रतिमा 7वीं शताब्दी में स्वयं प्रकट हुई है।

एसपी ने एसआईटी, आईजी ने साइबर टीम गठित की- यह डकैती पुलिस के लिए एक बड़ा चैलेंज थी। एसपी संजीव कुमार सिन्हा ने एसआईटी गठित की। इसमें दो डीएसपी रैंक के अधिकारी, दो टीआई, एसआई समेत आरक्षकों को शामिल किया गया। एक तीन सदस्यीय साइबर टीम आईजी ने गठित की। इसमें तीन साइबर एक्सपर्ट लगाए गए। दोनों टीमों को मिलाकर 20 सदस्य हो गए थे। 24-25 अगस्त की रात डकैती होने से लेकर 8 सितंबर तक पुलिस के हाथ कुछ पुख्ता नहीं लगा। अलग - अलग एंगल पर टीमें काम कर रही थीं, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

डकैत किस रास्ते से भागे, टीम ने सीसीटीवी खंगालने शुरू किए

पुलिस को जानकारी मिली थी कि बदमाश भेष बदलकर और महिलाओं के कपड़े पहनकर मंदिर में घुसे थे। पुलिस को कालबेलिया समाज के बदमाशों पर शक हुआ। वे टेकरी के पीछे से आए और इसी रास्ते से भाग निकले थे।पुलिस इसी आधार पर जांच करने लगी। टेकरी के पीछे की तरफ से रामटेकरी होते हुए एक रास्ता बमोरी, फतेहगढ़ तरफ जाता है। टीम ने इसी रास्ते पर लगे सीसीटीवी को खंगालना शुरू किया।

सेना से आने वाले हर अग्निवीर को मिलेगी नौकरी : अमित शाह

फरीदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा की चुनावी रैली में कहा कि सेना से आने वाले हर

- हरियाणा की चुनावी रैली में गृहमंत्री अमित शाह का बड़ा ऐलान

अग्निवीर को नौकरी मिलेगी। देश में इनके लिए 20 फीसदी आरक्षण कर दिया है और जो बचेंगे उन सभी को हरियाणा में नौकरी दी जाएगी। अमित शाह मंगलवार शाम फरीदाबाद के सेक्टर-12 में आयोजित भाजपा की चुनाव रैली में बोल रहे थे।

इस मौके पर जिला फरीदाबाद की सभी छह विधानसभा सीटों पर खड़े भाजपा के उम्मीवारों सहित केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल भी मौजूद थे। गृहमंत्री ने कहा कि हरियाणा को जवान, किसान, खिलाड़ियों के लिए जाना जाता है।

सेना में हरियाणा के जवान ज्यादा हैं। हरियाणा देश का गौरव है। देश की जनता का पेट हरियाणा का किसान भरता है और मेडल लेकर हरियाणा का खिलाड़ी दुनिया में नाम रोशन कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाए कि कांग्रेस झूठ फैला रही है। शाह ने कहा कि वह भूपेंद्र सिंह हुड्डा से पूछना चाहते हैं कि सैनिकों की धरती हरियाणा में कांग्रेस ने वन रैंक वन पेंशन क्यों नही दी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने वन रैंक वन पेंशन को लागू किया।

देवर-नंदोई ने विवाहिता से किया रेप

नौकरी लगवाने का झांसा देकर अपने पास बुलाया, घर छोड़ने के बहाने कार में किया बलात्कार

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में देवर और नंदोई ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर विवाहिता से गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। घटना कंपू थाना क्षेत्र के आमखो स्थित पीपल के पेड़ के नीचे की है। विरोध करने पर आरोपियों ने विवाहिता की मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर छोड़ दिया। घटना की शिकार पीड़िता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दोनों आरोपियों पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल दोनों आरोपी अपने घर से फरार हो गए हैं जिनकी गिरफ्तारी के लिए एप्लीकेशन के संबंधित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

लैंड फॉर जॉब केस में लालू तेजस्वी के बाद तेजप्रताप फंसे

7 अक्टूबर को सभी को कोर्ट में पेश होना होगा, रेलवे कर्मचारी की मां को भी बुलाया

पटना (एजेंसी)। राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों को समन जारी किया है। पहली बार कोर्ट ने इस मामले में लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप, अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि तेजप्रताप यादव की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। वह एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 6 अगस्त को 11 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। इनमें से 4 की मौत हो चुकी है। इसमें लल्लन चौधरी, हजारी राय, धर्मेंद्र कुमार, अखिलेश्वर सिंह, रविंदर कुमार, स्व. लाल बाबू राय, सोनमतिया देवी, स्व. किशुन देव राय और संजय राय शामिल हैं। लल्लन चौधरी की पत्नी ने पति की मृत्यु से जुड़ी पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी कोर्ट में प्रस्तुत की है।

बेटियों को स्वास्थ्य सुविधाएं कम सुलभ : अगनानी

जबलपुर। बाल मृत्यु दर के मामले में अस्पताल में होने वाली ज़्यादातर मौतें बालकों की होती हैं जबकि घरों में होने वाली मौतों में लड़कियों की संख्या अधिक होती है जिससे समझा जा सकता है कि आज भी ज़्यादातर बेटियों स्वास्थ्य सुविधाएं कम सुलभ हैं। यह हमारी सामाजिक संरचना का मामला है जो हमारी सामाजिक जागरूकता बढ़ा कर कम किया जा सकता है। इसलिए हेल्थ केयर से जुड़े तमाम पहलुओं में हमें सामाजिक संरचना और सामाजिक व्यवहार को ध्यान में रखना चाहिए।

यह बात अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल में पब्लिक हेल्थ विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक और भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत मनोहर अगनानी ने कही। वे अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल और विजयाश्री आयुर्वेद कॉलेज, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में विजयाश्री आयुर्वेद कॉलेज एंड हॉस्पिटल परिसर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। इस सेमिनार में मनोहर अगनानी ने 'स्वास्थ्य सुविधाओं में व्याप्त लैंगिक असमानता की चुनौतियों और उनके समाधान' पर व्याख्यान दिया।

यह व्याख्यान, अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा शुरू की गयी व्याख्यानमाला का पहली कड़ी थी। आगामी महीनों में अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल ऐसे अन्य विषयों और मुद्दों पर मध्य प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालयों पर व्याख्यान आयोजित करेगा।

विजयाश्री आयुर्वेद कॉलेज के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुए इस व्याख्यान में आयुर्वेद, नर्सिंग और एडुकेशन के छात्र-छात्राओं ने भागीदारी की। मनोहर अगनानी ने उन्हें भविष्य के हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स के तौर पर स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं को सामाजिक-आर्थिक, राजनैतिक और तकनीति के तौर पर समझने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के सामाजिक पहलुओं को नज़रअंदाज़ करके इसकी मूल समस्याओं को नहीं समझा जा सकता। स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच के मामले में अक्सर महिलाएं पीछे रह जा रही हैं तो इसकी वजह केवल स्वास्थ्य सेवाओं की कमी नहीं है बल्कि हमारा सामाजिक ढांचा ही कुछ ऐसा है जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जाती।

अगनानी ने देश में तेज़ गति से स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे नीतिगत सुधारों की सकारात्मक समीक्षा करते हुए आंकड़ों से यह बताया कि बावजूद इसके कि कितने ही तरह की स्वास्थ्य सेवाएँ सभी के लिए मुफ्त हो रही हैं लेकिन समाज की सक्रिय सहभागिता भी इनके साथ जुड़ जाये तो ये योजनाएँ अपने उद्देश्यों को प्राप्त पाएंगीं। इसमें हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स की सबसे बड़ी भूमिका होगी।

छात्र-छात्राओं के साथ हुए सवाल-जबाव के दौरान श्री अगनानी ने समाज में व्याप्त तमाम मिथ और भ्रम को वैज्ञानिक नज़रिये से देखने और समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस व्याख्यान में करीब 150 छात्र -छात्राओं के अलावा कॉलेज के प्राध्यापकों ने भी शिरकत की।

धन्यवाद ज्ञापन विजया श्री आयुर्वेद कॉलेज के संस्थापक श्री राजेश स्थापक ने किया। अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के बारे में समग्रता से एक परिचय सत्र संचालन के दौरान अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन के सत्यम श्रीवास्तव ने किया।

महिलाओं को हर महीने 2 हजार,500 रुपए में सिलेंडर

- हरियाणा चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी किया गारंटी पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र (गारंटी पत्र) जारी कर दिया है। जिसमें कई गारंटियों की घोषणा की गई है। इन घोषणाओं में महिला, युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा कांग्रेस की महत्वपूर्ण गारंटियों की घोषणा पहले ही कर चुके हैं।

जिसमें 500 रुपए में सिलेंडर, 2 लाख युवाओं को नौकरी प्रदान करना, बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन 6 हजार रुपए देना शामिल है। हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को पार्टी की सात गारंटियां गिनाईं। कांग्रेस का कहना था कि राज्य में अगर हमारी सरकार बनती है तो गरीबों को दो कमरे का मकान दिया जाएगा और हर महीने महिलाओं को 2 हजार रुपए दिए जाएंगे।

महीनों पहले रची साजिश, नए पेजर्स में था विस्फोटक

- लेबनान में इजरायल ने यूं मचाई तबाही, निशाने पर हिजबुल्लाह सदस्य
- हर पेजर में 3 ग्राम विस्फोटक, सदस्यों को बांटे जाने का किया इंतजार

बेरूत (एजेंसी)। बेरूत (एजेंसी)। लेबनान में हुए जर धमाकों के बारे में बड़ा खुलासा सामने आया है। ेबनान के एक वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र के हवाले से रॉयटर्स ने ावा किया है कि इजरायली एजेंसी मोसाद ने इन पेजर्स में स्फोटक लगाया था। रिपोर्ट कहती है कि मंगलवार को जन पेजर में विस्फोट हुए उनको महीनों पहले हिजबुल्लाह ऑर्डर किया। ये 5,000 पेजर ताइवान में बने थे और भी पेजर के अंदर थोड़ा-थोड़ा विस्फोटक था। एक पेजर करीब तीन ग्राम विस्फोटक रखा गया था। कई सूत्रों ने यटर्स को बताया है कि यह साजिश कई महीनों से चल ही थी। लेबनान के वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र ने कहा कि जबुल्लाह ने ताइवान स्थित गोल्ड अपोलो को 5,000

बीपर का ऑर्डर दिया था। कुछ महीने पहले उनको ये ऑर्डर मिल गया था। अब जबकि देशभर में ये पेजर पहुंचे तो इनमें विस्फोट किया गया।

सूत्र ने कहा,मोसाद ने डिवाइस के अंदर एक बोर्ड लगाया, जिसमें विस्फोटक सामग्री थी और ये एक कोड प्राप्त करता है। इसका पता लगाना बहुत मुश्किल है। किसी भी डिवाइस या स्कैनर से इसे पकड़ा नहीं जा सकता है। जब उन्हें कोडिड मैसेज भेजा गया तो विस्फोटक एक्टिव हुए और 3,000 पेजर फट गए। एक अन्य सुरक्षा सूत्र ने रॉयटर्स को बताया कि नए पेजर में तीन ग्राम तक विस्फोटक था और महीनों तक रखे रहने के बावजूद हिजबुल्लाह इसका पता नहीं लगा सका। विस्फोट के बाद सामने आई पेजर की तस्वीरों में ताइवान की गोल्ड अपोलो कंपनी के मार्क मिले हैं। इसी साल फरवरी में हिजबुल्लाह ने एक युद्ध योजना तैयार की और मोबाइल की जगह पेजर के इस्तेमाल का फैसला लिया।

पंजाब सीएम मान की चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर तबीयत बिगड़ी

सिक्योरिटी स्टाफ ने संभाला, गाड़ी में बैठाया, दिल्ली ले जाया गया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के सीएम भगवंत मान की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वह चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर विमान से उतरे थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरते ही भगवंत ने अपना संतुलन खोया था। इसके बाद मौके पर मौजूद सिक्योरिटी स्टाफ ने उन्हें संभाला और कुछ देर के लिए वहां मौजूद कुर्सी पर बैठाया।

इसके बाद उन्हें पहले सीएम आवास चंडीगढ़ में लाया गया। वहां उन्हें ड्रिप लगाई गई। इसके साथ सीएम मान को दिल्ली के अपोलो अस्पताल ले जाया गया गया। डॉक्टर फिलहाल उनके हेल्थ अपडेट के बारे में कुछ भी जानकारी देने से मना कर रहे हैं।

विदाई बेला में गजानन का इंद्र ने किया अभिषेक

● भोपाल में 22 हजार मूर्तियों का विसर्जन ● दूसरे दिन भी निकल रहे थे जुलूस, बांस से ट्री-गार्ड; फूलों से बनेगी जैविक खाद ● भोपाल के घाटों पर रातभर चला विसर्जन का सिलसिला, बुधवार को भी जारी रहा ● दसदिवसीय गणेशोत्सव का हुआ समापन ● शिवराज ने प्रेमपुरा घाट पर किया गणपति जी का विसर्जन

भोपाल (नप्र)। गणपति बप्पा मोरिया... अलगे बरस तू जल्दी आ की कामना के साथ श्रद्धालुओं ने मंगलवार को मंगलमूर्ति भगवान श्री गणेश को विदाई दी। इसके साथ ही 10 दिनी गणेशोत्सव का समापन हुआ। शाम को इंद्रदेव ने भी मानो झमाझम वर्षा के साथ भगवान का अभिषेक किया। इस दौरान भी श्रद्धालुओं ने रंग-गुलाल उड़ाकर नाचते-गाते हुए पूजन-अर्चन के साथ मूर्ति विसर्जन किया।

भोपाल के खटलापुरा, शाहपुरा, प्रेमपुरा, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ और हथाईखेड़ा डैम में पिछले 5 दिन से विसर्जन का दौर जारी है। डोल ग्यारस (एकादशी) के दिन ही एक हजार से अधिक मूर्तियों का विसर्जन हुआ था, जबकि गणेश चतुर्दशी के दिन 22 हजार से अधिक मूर्तियां विसर्जित की गई। लोगों ने केरवा, कोलार समेत आसपास नदी-तालाब में भी मूर्तियों का विसर्जन किया। देर रात तक दौर चला। वहीं, बुधवार सुबह फिर से घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई। विसर्जन का सिलसिला अगले 2 दिन और चलेगा। बुधवार सुबह 10 बजे महापौर राय ने घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई भी की।

बड़ी प्रतिमाओं का क्रेन से विसर्जन

शहर में सुबह से ही मूर्तियों के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया था, जो रातभर जारी रहा। रात 11 बजे तक शहर के सभी सात घाटों पर कुल 21,037 प्रतिमाओं का विसर्जन हो चुका था। विसर्जन घाटों पर 19961 छोटी और 1076 बड़ी प्रतिमाओं को क्रेन के जरिए विसर्जित किया गया।

जोन स्तर पर शहर के 22 स्थानों पर भगवान श्रीगणेश की मूर्तियां प्राप्त करने और उन्हें विसर्जित करने की व्यवस्था भी की गई। यह काम दो दर्जन वाहनों के जरिए किया गया। यहां निगम कर्मचारियों को लगाया गया था। राजधानी में परंपरागत चल समारोह निकाला गया। बुधवारन को भी भगवान गणेश की प्रतिमाओं को अलग-अलग विसर्जन घाटों पर विसर्जित किया जा रहा है।

घाटों पर पुख्ता इंतजाम

नगर निगम द्वारा घाटों पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए एक दर्जन से अधिक बड़ी क्रेन के साथ लाइफ जैकेट, लाइफ बाय, ट्यूब, रस्सी बंडल की व्यवस्था की गई है। घाट में विसर्जन के दौरान इसकी लाइव मानीटरिंग कराई जा रही है। इसके लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। घाटों पर हादसा न हो, इसलिए पानी में उतरने पर पूरी तरह से रोक है। क्रेन की मदद से बड़ी मूर्तियों का विसर्जन किया जा रहा है, जबकि छोटी मूर्तियों के लिए घाटों पर कुंड बनाए गए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने किया विसर्जन

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दस दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना के बाद अनंत चतुर्दशी पर गणपति को विदाई दी। प्रेमपुरा घाट में स्वजन व अन्य श्रद्धालुओं के साथ विधि- विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया। विसर्जन के जुलूस के दौरान रास्ते भर शिवराज सिंह चौहान भक्तिमय माहौल में रहे। भगवान गणेश के भजन गाते हुए प्रेमपुरा घाट पहुंचे । इसके पहले शिवराज सपत्नीक विदिशा स्थित बाढ़ वाले गणेश मंदिर पहुंचे, वहां विधिवत भगवान गणेश का पूजन किया और मंदिर में भंडारा संपन्न कराया।

भव्य चल समारोह निकला

उधर हमीदिया रोड पर सड़क की मरम्मत का काम चलने के कारण इस बार परंपरागत श्री गणेश विसर्जन चल समारोह नादरा बस स्टैंड के बजाय सेंट्रल लाइब्रेरी से शुरू हुआ। इसमें शताधिक मूर्तियां शामिल हुईं। शिव पुत्र पार्वती नंदन के मोहक स्वरूप को निहारने लोग उमड़ पड़े। विसर्जन चल समारोह सेंट्रल लाइब्रेसी से इतवारा, मंगलवारा, हनुमानगंज, जवाहरचौक जुमेराती, सिंधी मार्केट, सोमवारा, मोती मस्जिद, रेत घाट से होते हुए रानी कमलापति घाट पर पहुंचा। यहां सुरक्षा के बेहतर इंतजाम रहे। यहां पर चार क्रेन और एक हाइड्रा मौजूद है। इधर, महापौर मालती राय खटलापुरा घाट पहुंचीं। जहां उन्होंने सफाई की। अब तक 22 हजार से अधिक छोटी-बड़ी मूर्तियों का विसर्जन हो चुका है। निगम बड़ी मूर्तियों से निकले बांस से ट्री-गार्ड और फूलों से जैविक खाद बनाएगा। इसके लिए भी टीमें जुट गई हैं।

देर रात तक निकला जुलूस

पुराना शहर के भारत टॉकीज चौराहा से हिंदू उत्सव समिति के

तत्वावधान में प्रतिमा विसर्जन चल समारोह निकाला गया। चल समारोह का शुभारंभ समिति के अध्यक्ष संतोष साहू, संरक्षक नारायण सिंह साहू, महामंत्री सुबोध जैन, प्रमोद नेमा, शरण खटीक व विवेक साहू ने बड़वाले महादेव मंदिर मार्ग की झांकी में विराजित गणेश प्रतिमा की पूजा-आरती के साथ किया। चल समारोह रात 9 बजे रिमझिम फुहारों के बीच शुरू हुआ, जो देर रात तक निकलता रहा। इसमें सर्वाधिक आकर्षण का केंद्र जहां 15 से 21 फीट ऊंची गणेश प्रतिमाएं थीं। वहीं, रामलला के स्वरूप में गणेश प्रतिमाएं भी लोगों का ध्यान खींच रहीं थीं। हनुमानगंज गल्ला मंडी की झांकी में जय श्रीराम नाम लिखा गया था। इस नाम में ही पौराणिक प्रसंगों को दर्शाया गया था।

पूजन सामग्री इकट्ठा कर रहे

सभी घाटों पर निगम की टीमें तैनात की गई, जो पूजन सामग्री इकट्ठा कर रही है। करीब 50 टन सामग्री इकट्ठा हुई है। वहीं, 1100 से अधिक बड़ी मूर्तियों का विसर्जन हुआ है। फूलों से जैविक खाद बनाई जाएगी। वहीं, बड़ी मूर्तियों से निकलने वाले बांस से ट्री-गार्ड बनेंगे।

मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के चुनाव सम्पन्न

अजय दांतरे गुना के जिला अध्यक्ष एवं दिनेश शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष निर्वाचित

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामंत्री रणबीर सिंह सिकरवार एवं संभागीय अध्यक्ष महादेव सिंह गोयल के आतिथ्य में जिला चिकित्सालय गुना के रेडक्रॉस सभागार में आयोजित मीटिंग में सर्व सम्मति से अजय दांतरे रेडियोग्राफर को मप्र स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का जिला अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

इसी तरह दिनेश कुमार शर्मा, एमपीएस को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर उपस्थित संविदा स्टाफ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष राजिक अहमद सिद्दीकी, देवेंद्र सिंह राणा, मायाराम शर्मा, दिलीप सिंह राठौर, संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष मुकेश मौर्य एवं नर्सिंग ऑफिसर, स्वास्थ्य कर्मचारियों ने फूल मालाओं से स्वागत कर बधाई दी।

नशा-मुक्ति अभियान से जुड़ेंगे दस हजार वॉलंटियर्स

नशा-मुक्ति अभियान मास्टर ट्रेनर का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

भोपाल (नप्र)। नशे की लत के खिलाफ लड़ाई को और मजबूत करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश के सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण विभाग

ने नशामुक्त भारत अभियान के तहत वॉलंटियर्स के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य नशे से प्रभावित लोगों को सम्मानजनक जीवन जीने और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्षम बनाना है। सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन कल्याण आयुक्त डॉ. आर.आर. भोंसले ने इस पहल को राज्य के युवाओं के लिए एक नशामुक्त भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अभियान के तहत, चयनित जिलों से मास्टर ट्रेनर्स के लिए 18 और 19 सितंबर 2024 को संचालनालय के सभागार में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। ये मास्टर ट्रेनर्स विभिन्न जिलों में वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित करेंगे, जिनका लक्ष्य 10 हजार वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित करना है। जिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 सितंबर से 30 सितंबर 2024 तक चलेगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले वॉलंटियर्स को NMBA ऐप पर पंजीकृत किया जाएगा, जहां उनकी गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सामाजिक कल्याण, शिक्षा, खेल, और युवा कल्याण विभागों के विभिन्न प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

टीचर ने 3 साल की बच्ची से रेप किया

भोपाल में स्कूल से लौटी तो शरीर पर चोट के निशान दिखे; मां ने थाने में की शिकायत

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक प्राइवेट स्कूल के टीचर पर 3 साल की बच्ची से रेप की एफआईआर दर्ज की गई है। बच्ची की मां की शिकायत के बाद पुलिस ने टीचर कासिम रेहान को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, बच्ची की मां ने सोमवार को शिकायत की थी कि उनकी 3 साल की बेटी के साथ टीचर ने गलत काम किया है। दो दिन पहले बच्ची स्कूल से घर पहुंची तो उसके प्राइवेट पार्ट पर चोट के निशान थे। इसकी शिकायत करने वे स्कूल पहुंचीं। उन्होंने टीचर का नाम भी बताया, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने शिकायत पर ध्यान नहीं दिया।

डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने स्कूल पहुंचकर आरोपी टीचर कासिम की जानकारी जुटाई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी को कड़ी सजा दी जाएगी

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को कड़ी सजा दी जाएगी, स्कूल सिस्टम के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। किसी व्यक्ति विशेष को यह न लगे कि उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। चिंता से इस विषयों को लिया जा रहा है।

जंगलराज क्या होता है, एमपी में देख रहे- जीतू

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा, आज राष्ट्रपति महोदय का मध्यप्रदेश दौरा है, प्रदेश की राजधानी में 3 साल की मासूम के साथ बलात्कार हुआ है। राष्ट्रपति को मध्यप्रदेश की बेटियों की स्थिति को लेकर मैंने पत्र भेजा था कि मैं उनसे मिलकर उन्हें इस बारे में अवगत कराऊं। मुझे आशा थी कि मुझे मिलने का समय मिलेगा, पर मैं मीडिया के माध्यम से राष्ट्रपति जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि रोज बहनों के साथ बलात्कार होते हैं।

भोपाल में 3 साल की मासूम के साथ रेप हुआ। इस बारे में प्रदेश की सरकार और गृह मंत्रालय सोया हुआ है। बद से बदतर स्थिति हो चुकी है। जंगल राज क्या होता है, महिलाओं की आबरू किस तरह लूटी जाती है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण रोज एमपी में देखने को मिलता है।

केस दर्ज कर गिरफ्तार किया

आरोपी स्कूल शिक्षक पर दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज किया लिया है और उसको गिरफ्तार कर लिया गया है।

राज्यपाल श्री पटेल ने राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह का किया स्मरण

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजा शंकर शाह- कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर आज उनका स्मरण किया। राज्यपाल श्री पटेल ने अधिकारी-कर्मचारियों के साथ दो मिनट का मौन रखकर जनजातीय नायकों को श्रद्धांजलि दी। उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। राजभवन के बेंक्वेट हॉल में आयोजित बलिदान दिवस कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद्र गुप्ता, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, राज्यपाल के विधि अधिकारी श्री उमेश श्रीवास्तव और राजभवन के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गैस राहत के 6 अस्पतालों में सुरक्षा के लिये लगेंगे 52 सीसीटीवी कैमरे

भोपाल (नप्र)। भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास के अधीन भोपाल शहर में संचालित 6 गैस राहत अस्पतालों में आंतरिक एवं बाहरी सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन 6 अस्पतालों में 52 सीसीटीवी कैमरे एवं 6 डीवीआर लगाये जा रहे हैं। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम 19 सितम्बर तक पूरा हो जायेगा। शेष 5 चिकित्सालयों में भी यह काम जल्द ही पूरा कर लिया जायेगा।

संचालक, कमला नेहरू चिकित्सालय एवं सीएमएचओ, गैस राहत भोपाल डॉ. एसएस राजपूत ने बताया कि गैस राहत के सभी 6 अस्पतालों में समुचित प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है। सभी जरूरी स्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाये जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिये पीडब्ल्यूडी, विद्युत एवं यांत्रिकी प्रभाग से मदद ली जा रही है। इन अस्पतालों में यह भी व्यवस्था की गई है कि दोपहर एवं रात्रि पाली में अस्पताल में ड्यूटी कर रहे सभी रेग्युलर व आउटसोर्स स्टॉफ अपना-अपना परिचय-पत्र लगायेंगे तथा डॉक्टर्स अपनी पूरी ड्यूटी ऑवर के दौरान स्टेथोस्कोप साथ में जरूर रखेंगे।

उन्होंने बताया कि सभी अस्पतालों के मेन गेट में बॉयोमैट्रिक अटेंडेस मशीन लगाई जायेगी। अस्पताल के मेन गेट पर आगंतुकों के मिलने का समय भी प्रदर्शित किया जायेगा। आगंतुक दिन में दोपहर से 1 से 2 बजे तक तथा शाम को 7 से 9 बजे के बीच अपने-अपने भर्ती मरीजों से मिल सकेंगे। एक बार में एक ही आगंतुक को वार्ड में प्रवेश दिया जायेगा। दोपहर एवं नाइट शिफ्ट में आने वाले हर व्यक्ति की एक रजिस्टर में एन्ट्री की जायेगी। डॉ. राजपूत ने बताया कि गैस राहत के 6 अस्पतालों में से कमला नेहरू चिकित्सालय (219 शैय्या) में 8, इंदिरा गांधी महिला एवं बाल्य चिकित्सालय (150 शैय्या) में 8, जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय (125 शैय्या) में 8, खान शाकिर अली खान चिकित्सालय (90 शैय्या) में 12, रसूल अहमद सिद्धिकी पल्मोनरी मेडिसीन सेंटर (50 शैय्या) में 8 तथा मास्टर लाल सिंह चिकित्सालय (30 शैय्या) में 8 सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे। इन सभी चिकित्सालयों में एक-एक डीवीआर भी लगाये जायेंगे।

मध्य प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस की आधी से ज्यादा सीटें खाली

ट्यूशन फीस वेबर स्कीम के तहत 80 फीसदी सीटों पर प्रवेश

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के 139 इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) प्रक्रिया जारी है। इसमें 72 हजार सीटों में से अभी तक 40 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। करीब 32 हजार सीटें अभी खाली हैं। अब कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) से सीटें भरने की संभावना है।

इसमें सबसे अधिक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (सीएसई) ब्रांच को विद्यार्थी पसंद कर रहे हैं। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की साढ़े छह हजार में से ढाई हजार सीटें भरी हैं। अभी भी साढ़े तीन हजार सीटें रिक्त रह गई हैं, जो रिक्त ही रहेंगी, क्योंकि उक्त सीटें सिर्फ केंद्रीय काउंसलिंग से भरी जाती हैं।

वहीं ट्यूशन फीस वेबर स्कीम (टीएफडब्ल्यू) की 80 फीसद सीटों पर प्रवेश हुए हैं। इसमें 20 फीसद विद्यार्थियों ने छोटे स्तर के कालेज और अपनी पसंद के ब्रांच नहीं मिलने के कारण कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (सीएसई) में फीस देकर बड़े कालेजों में प्रवेश लिए हैं। वहीं ईडब्ल्यूएस में महज 37 फीसद सीटों पर ही प्रवेश हो सके हैं। इस बार 63 फीसद सीटें रिक्त रहने की संभावना है।

ईडब्ल्यूएस स्कीम यहां लागू

प्रदेश के 139 कालेजों में तीन से 12 सीटें टीएफडब्ल्यू में दी गई हैं। दो चरण की केंद्रीय काउंसलिंग और सीएलसी में 1,784 सीटों में से 1,425 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिए हैं। कालेज संचालकों से सीएस, मैकेनिकल और आइटी में सबसे ज्यादा टीएफडब्ल्यू की सीटें ली हैं। उक्त प्रवेश में 60 फीसद विद्यार्थियों ने सीएसई की सीट पर प्रवेश लिए हैं। वहीं सीएसई नहीं मिलने की दशा में विद्यार्थियों ने आईटी में प्रवेश लेकर समझौता किया है, ताकि वे अगले वर्ष तीसरे सेमेस्टर में आकर अपनी ब्रांच को सीएसई में बदल सकें। इसके अलावा कई विद्यार्थियों ने मैकेनिकल में प्रवेश लिए हैं, जिन्हें सीएसई और आइटी में कोई दिलचस्पी नहीं है।

भोपाल मेट्रो का दूसरा ब्रिज 200 टन वजनी, 48 मीटर चौड़ा

डीआरएम तिराहे पर अक्टूबर में रखेंगे; ऊपर से ट्रेन, नीचे से गुजरेगी गाड़ियां

भोपाल (नप्र)। भोपाल मेट्रो के दूसरे स्टील ब्रिज के लिए डीआरएम तिराहे पर गर्डर लॉन्च कर दी गई है। अब 200 टन वजनी और 48 मीटर चौड़े ब्रिज को असेंबल किया जा रहा है। मेट्रो के अफसरों का दावा है कि अक्टूबर में इस ब्रिज को भी पिलर पर रख देंगे। इसके बाद सड़क बनाई जाएगी। ताकि, पिछले 8 महीने से बंद ISBT-होशंगाबाद रोड को खोल दिया जाए। अभी हर रोज लाखों लोग परेशान हो रहे हैं।

बता दें कि (रानी कमलापति) रेलवे स्टेशन के पास हबीबगंज नाके से डीआरएम स्टेशन के बीच 2 स्टील ब्रिज से मेट्रो गुजरेगी। इसके लिए पिछले 8 महीने से काम चल रहा है। 4 सितंबर को 3 घंटे के अंदर रेलवे ट्रैक पर पिलर के ऊपर 65 मीटर लंबा और 400 टन वजनी ब्रिज का स्ट्रक्चर रख दिया गया। वहीं, दूसरे ब्रिज के लिए दो दिन पहले गर्डर की लॉन्चिंग हो गई है। ब्रिज का यह महत्वपूर्ण काम है।

पहले दूसरा ब्रिज रखेंगे, बाकी के काम भी होंगे

मेट्रो अफसरों के अनुसार, भोपाल मेट्रो के लिए दो स्टील ब्रिज बनेंगे। पहला रेलवे ओवरब्रिज और दूसरा कंपोजिट ब्रिज है। यह भी राजस्थान के अलवर से लाया गया। पहला ब्रिज रखने के बाद अब दूसरे ब्रिज को असेंबल किया जा रहा है। इसके बाद बाकी के काम होंगे और फिर आम लोगों के लिए रास्ता खोल दिया जाएगा।

अब यह काम

डीआरएम तिराहे पर कंपोसिट ब्रिज को बड़ी क्रेन की मदद से रखेंगे। अभी यह ब्रिज असेंबल किया जा रहा है। इसकी लंबाई 48 मीटर है, जबकि वजन 200 टन है। ऐसे में एक साथ 4 मशीनों की मदद ली जाएगी। इसके बाद ब्रिज के ऊपर ट्रैक बिछाया जाएगा। मेट्रो से जुड़े सारे काम होने के बाद नीचे सड़क और रोटरी बनाएंगे। ताकि, सड़क से ट्रैफिक शुरू किया जा सके।

सभी काम में लगेगा एक से डेढ़ महीना

मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों की माने तो दूसरे ब्रिज को रखने, ट्रैक बिछाने, सड़क बनाने समेत अन्य कार्यों में करीब डेढ़ महीने का समय लग जाएगा। अक्टूबर के आखिरी या नवंबर के शुरुआती दिनों में सड़क से ट्रैफिक शुरू हो सकता है।

मार्च में काम की शुरुआत हुई

इसी साल जनवरी-फरवरी में ब्रिज के पार्ट्स अलवर से भोपाल आ गए थे। जिन्हें मार्च में असेंबल करना शुरू किया गया। मार्च में काम की शुरुआत की गई। करीब छह महीने से रास्ता भी डायवर्ट किया गया है। दूसरी ओर, डीआरएम ऑफिस तिराहे की सड़क के ऊपर ब्रिज के पॉर्ट्स असेंबल किए गए। पहला ब्रिज रख दिया गया, जबकि दूसरा जल्द रखा जाएगा।

संपादकीय

‘बुलडोजर न्याय’ पर रोक सही

यूपी सहित देश के कुछ राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा बुलडोजर न्याय को वैधता देने के प्रयास पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। इस पर कोर्ट का अंतिम फैसला अभी आना है, लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि सर्वोच्च अदालत तथाकथित न्याय की आड़ में बुलडोजर के मनमाने उपयोग पर रोक लगाएगी। संभव है कि कोर्ट इस बारे में कोई गाइड लाइन भी जारी करे। यकीनन कोर्ट का यह रवैया यूपी के मुख्य। मंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए झटका है, जिन्हें बुलडोजर बाबा के नाम से ही जाना जाने लगा है। यानी जिसने अपराध किया हो, उसके पहले कि उस पर कोई कानूनी कार्रवाई हो, उस आरोपी का घर ढहा कर जनता के बीच त्वरित न्याय का संदेश देने की नई शैली योगी आदित्यनाथ ने ही शुरू की थी। उनकी देखादेखी मप्र, राजस्थान व अन्य कुछ राज्यों ने भी बुलडोजर न्याय की शुरूआत कर दी। जबकि कानूनन यह गलत ही था। बुलडोजर एक्शन के खिलाफ जमीयत उलेमा ए हिंद व अन्य याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 1 अक्टूबर तक इस तरह की तमाम कार्रवाइयों पर रोक लगा दी है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि कुछ जगहों में अतिक्रमण पर ये रोक लागू नहीं होगी। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि ये आदेश सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों, रेलवे लाइनों और जलाशयों पर हुए अतिक्रमण पर लागू नहीं होगा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने पिछली सुनवाई में भी राज्य सरकारों के ‘बुलडोज़र एक्शन’ पर सवाल खड़े किए थे। इस मामले में जमीयत उलेमा ए हिंद की तरफ़ से दायर की गई याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकारें बुलडोज़र का इस्तेमाल अल्पसंख्यक और हाशिए पर चल रहे लोगों को डराने के लिए कर रहीं है। प्रशासन बिना सुनवाई के और बिना अपील का टाइम दिए मकानों का गिरा रहा है। इस तरह की कार्रवाई ग़ैर क़ानूनी है और न्यायिक व्यवस्था के खिलाफ है। उत्तर प्रदेश सरकार के इस बुलडोज़र एक्शन पर विपक्ष और कई विशेषज्ञों ने भी आरोप लगाया था कि इसके ज़रिए सरकार अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही है। इसी मामले पर सुनवाई करते हुए बीते चार सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कोई व्यक्ति दोषी भी है तो भी क़ानून की निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना उसके घर को ध्वस्त नहीं किया जा सकता। कोर्ट का सवाल था कि किसी का घर केवल इस आधार पर कैसे ढहाया जा सकता है कि वो किसी मामले में अभियुक्त है? हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि किसी भी इमारत को ढहाने की कार्रवाई इसलिए नहीं की गई है कि वो शख्स किसी मामले में अभियुक्त था। सरकार का कहना अपनी जगह है, लेकिन कई मामलों में वो घर भी बुलडोजर से ढहा दिए गए हैं, जिनके मालिको का अपराध से कोई सीधा सम्बंध ही नहीं था। किसी किराएदार के अपराध की सजा घर मालिक को कैसे दी जा सकती है। बहरहाल कोर्ट के ताजा आदेश पर राजनीति शुरू हो गई है। यूपी में अखिलेश यादव और आजाद पार्टी ने कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि बुलडोजर चलाना ही असंवैधानिक है। हालांकि बुलडोजर पर कोर्ट के अंतरिम आदेश को कानून से ज्यादा राजनीति के नजरिए से ज्यादा देखा जा रहा है। क्योंकि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इसलिए खुश है, क्योंकि बुलडोजर एक्शन का शिकार होने वालों में मुसलमानों की संख्या सबसे ज्यादा है। यद्यपि बुलडोजर हमेशा मुसलमानों के खिलाफ ही चला हो, ऐसा नहीं है। लेकर बुलडोजर को न्याय का प्रतीक मानना गलत है।

नजरिया

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दबाव का केजरीवाली आतिशी दांव

अरविंद केजरीवाल राजनीति के चतुर खिलाड़ी हैं। उन्होंने राजनीति में कुछ मौलिक प्रतिस्थापनाएं की है, बने-बनाये रास्तों पर न चलकर नये रास्ते इजाद किये हैं। वे संकटों को अवसर में बदलने वाले करिश्माई व्यक्तित्व भी हैं। उनकी राजनीति अनेक विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी रही है, उनके व्यवहार एवं वचनों में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित होते रहे हैं, लेकिन ये ही विरोधाभास उनकी राजनीतिक चमक का कारण भी बने हैं। क्योंकि राजनीति में सब जायज माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय से सशर्त जमानत मिलने से खुद को बंधा महसूस करते हुए उन्होंने इस्तीफे का धारदार दांव चलाकर राजनीतिक जगत में एक हलचल पैदा कर दी। वहीं पार्टी में संभावनाओं भरे अनेक चेहरों के होने के बावजूद उन्होंने आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया, जबकि वह वरिष्ठता क्रम में निचले पायदान पर खड़ी थी, लेकिन केजरीवाल ऐसे चौंकाने वाले फैसले पहले भी लेते रहे हैं। लेकिन इस तरह वे जनादेश का मज़ाक भी बनाते रहे हैं तो संवैधानिक स्थितियों की धता भी करते रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल साहस के कदम एवं चतुराई की आंख लेकर परम्परागत राजनीति की जंजीरों को तोड़कर आगे निकलते रहे हैं। संभावनाएं की जा रही थी कि केजरीवाल आम आदमी पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को मुख्यमंत्री बना सकते हैं। अधिक संभावनाएं उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाये जाने की थी। क्योंकि क्षेत्रीय दलों में किसी राजनीतिक या कानूनी संकट के चलते परिवार के ही किसी सदस्य को सत्ता की बागडोर सौंप देने परंपरा रही है। ताकि स्थितियां सामान्य होने पर फिर मुख्यमंत्री की गद्दी आसानी से वापस ली जा सके। इसके अनेक उदाहरण है, जिनमें बिहार में चारा घोटाले में घिरने के बाद लालू यादव ने पत्नी राबड़ी देवी को सत्ता की बागडोर सौंपी थी। बहरहाल, केजरीवाल ने जेल से बाहर आते ही अपने तरकश से जो तीर चले हैं, उनकी धार एवं तीक्ष्णता को महसूस किया जा सकता है। इन तीरों से हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव समेत अन्य राष्ट्रीय मुद्दों में उलझी भाजपा व कांग्रेस पर केजरीवाल ने मनोवैज्ञानिक राजनीतिक दबाव तो बना ही दिया है। हरियाणा में स्वतंत्र चुनाव लड़ने का निर्णय लेकर उन्होंने सत्ता के गठन में स्वयं को एक ताकतवर मोहरे के रूप में प्रस्तुत करने का चतुराई भरा खेल भी खेला है। दिल्ली में भी उन्होंने अपनी निस्तेज होती स्थितियों को मजबूती दी है।

दरअसल, केजरीवाल भ्रष्टाचार के विरोध में आन्दोलन के योद्धा के रूप में वर्ष 2014 के इस्तीफे के दांव की तरह 2015 में आम आदमी पार्टी को मिली भारी जीत का अध्याय दोहरा देना चाहते हैं। लेकिन इस बार की स्थितियां खुद भ्रष्टाचार में लिप्त होने से खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी हैं। निस्संदेह, यह दांव मुश्किल भी पैदा कर सकता है क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। भले ही केजरीवाल अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हो, लेकिन वे अपने देश को, अपने पैरों की जमीन को एवं राजनीतिक मूल्यों को नहीं पहचान रहे हैं। ‘आप’ की राजनीति नियति भी विसंगति का खेल खेलती रहती है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी वाले वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? आप के शीर्ष नेताओं के लिये पहले श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। कैसे आप की राजनीति इस शर्म के साथ जनता से मुखातिब होगी और जनता क्या जबाव देगी, यह भविष्य के गर्भ में है।

जिन अप्रत्याशित हालात में एवं बहुत कम समय के लिये आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया गया है, वे बेहद चुनौतीपूर्ण हैं। विधानसभा चुनावों से ठीक पहले राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के कई उदाहरण हाल के वर्षों में दिखे हैं, लेकिन यह मामला उन सबसे अलग है। पिछले करीब दो साल न केवल आम आदमी पार्टी के लिए बल्कि दिल्ली सरकार के लिए भी इस मायने में चुनौतीपूर्ण रहे कि एक-एक कर उसके कई बड़े नेता और मंत्री जेल भेज दिए गए। दिल्ली का विकास मुफ्त की संस्कृति की भेट चढ़कर विकास को अवरुद्ध किये हुए हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल के जेल जाने के बाद संकट और गहराया। इन संकटपूर्ण हालातों में आतिशी ने पार्टी का प्रभावशाली ढंग से बचाव किया। उन्होंने सौरभ भारद्वाज और अन्य साथियों के साथ मिलकर सड़क से लेकर मीडिया तक आम आदमी पार्टी की जंग लड़ी, उससे कार्यकर्ताओं में उनकी एक जुझारू छवि बनी है। ऐसे में, उनसे उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। क्या अतिशी अपने राजनीतिक कौशल से यह पद पाया है या वे केजरीवाल की राजनीति का एक मोहरा-भर बनी है? उनके हिस्से में यह पद तब आया जब पार्टी के दो सबसे बड़े नेताओं-अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया-ने कह दिया कि वे नए सिरे से जनादेश हासिल करने के बाद ही पद पर बैठेंगे। अगर पार्टी जनादेश हासिल नहीं कर पाती तब तो उन्हें पद छोड़ना ही पड़ेगा, अगर पार्टी चुनाव जीतती है तब भी मुख्यमंत्री पद से उनका हटना लगभग तय है। इन स्थितियों में कांटोंभरा ताज पहनकर उनके कामकाज एवं प्रभावी नेतृत्व का क्या औचित्य है?

अतिशी एक वफादार एवं जिम्मेदार नेता के रूप में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही है। पार्टी के लिये उनके समर्पण एवं अटूट निष्ठा की मुद्रा विधायक दल की नेता चुने जाने के वक्त भी सामने आयी, जब आतिशी ने सार्वजनिक रूप से यह कहा कि वह सिर्फ अगले चुनाव तक पदभार संभाल रही हैं, पार्टी के भीतर किसी नए केंद्र की आशंका को तिरोहित करना तो है ही, कहीं न कहीं यह वरिष्ठ नेताओं की आहत महत्वाकांक्षाओं पर मरहम रखना भी है। आतिशी का यह पहला कार्यकाल है, और किसी गैर-राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि की महिला का पांच साल के भीतर यूं मुख्यमंत्री की कुरसी तक पहुंचने का यह विरल उदाहरण भी है। अतिशी दिल्ली जैसे सुबे की मुखिया बनी हैं, जिस दिल्ली ने सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित जैसी दिग्गज महिला नेताओं का शासन देखा है। कुल मिलाकर, दिल्ली में शुरू हुए आप के इस नए प्रयोग और उसके नतीजों पर सबकी नजरें होंगी।

अरविंद केजरीवाल ने महाराष्ट्र और झारखंड के साथ ही दिल्ली विधानसभा का भी चुनाव कराने की मांग की है, उनकी यह मांग अस्वीकृत हो गयी है, फिर भी अगले साल फरवरी के पहले पखवाड़े तक दिल्ली में चुनाव कराने होंगे। केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सोची-समझी रणनीति के तहत ही दिया है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव को अपनी ईमानदारी के जनमत संग्रह के रूप में दर्शा सकें। उनका मकसद भाजपा सरकार द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने तथा खुद को राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार के रूप में दिखा जनता की सहानुभूति अर्जित करना भी है। लेकिन इस तरह की राजनीतिक चतुराई में अगर कोई आधार नहीं होता, कोई तथ्य नहीं होता, कोई सच्चाई नहीं होती तो दूसरों के लिए खोदे गए खड्डों में स्वयं एक दिन गिर जाने की स्थिति बन जाती है। कुछ लोग इस प्रकार से प्राप्त जीत की खुशी मनाते हैं, कुछ इस प्रकार की हार की खुशी मनाते हैं, जो कभी जीत से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि गलत तरीकों से प्राप्त जीत से सिद्धांतों पर अडिग रहकर हारना सम्मानजनक होता है। निस्संदेह, जनता से ईमानदारी का प्रमाण पत्र हासिल करने की योजना उनकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा जान पड़ती है।

केजरीवाल को अतिशी रूपी दांव से ज्यादा लाभ शराब घोटाले में नाम आने व गिरफ्तारी के बाद तुरंत इस्तीफा दे देते तो मिलता। ऐसे में, आतिशी के पास अपनी शासकीय छाप छोड़ने के साथ आप की राजनीतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने की बड़ी जिम्मेदारी है। दिल्ली में निश्चित रूप से उसकी लड़ाई भाजपा के साथ ही कांग्रेस से भी अपनी जमीन बचाने की होगी। दिल्ली के नागरिकों की अपेक्षाओ पर खरा उतरने के साथ-साथ पार्टी की चुनावी नैया पार लगाने की चुनौती तो है ही। जाहिर है, आम आदमी पार्टी उनसे यही अपेक्षा करेगी कि आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का आलेख लिखे।

राजनीति

प्रियंका सौरभ

रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस

चुनावों में डिजिटल अभियान, झूठे-सच्चे वादों का ऐलान

आधुनिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म अक्सर बड़े बजट वाले दलों के विज्ञापनों को अधिक दृश्यता देकर उनका पक्ष लेते हैं, अभियान को अमीर राजनीतिक संस्थाओं के पक्ष में झुकाते हैं, जिससे चुनावी निष्पक्षता कम हो जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक विचारों का ध्रुवीकरण हो सकता है एवं अधिक खंडित तथा शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे रचनात्मक बहस कम हो सकती है। चुनावी समानता बनाए रखने के लिए, राजनीतिक दलों द्वारा डिजिटल विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली राशि पर सीमाएँ लगाई जानी चाहिए, जिससे अमीर पार्टियों को डिजिटल क्षेत्र पर हावी होने से रोका जा सके। -प्रियंका सौरभ गूगल विज्ञापन पारदर्शिता केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान, राजनीतिक दलों एवं उनके सहयोगियों ने 1 जनवरी से 10 अप्रैल के बीच अकेले गूगल विज्ञापनों पर लगभग रू. 117 करोड़ खर्च किए। डिजिटल अभियान खर्च में यह वृद्धि चुनावों में ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते प्रभाव को उजागर करती है, जबकि राजनीतिक दलों के बीच कंटेंट विनियमन तथा निष्पक्षता के बारे में चिंता बढ़ाती है। आधुनिक चुनावों में डिजिटल अभियान एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है, मतदाताओं तक इसकी व्यापक पहुँच है, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों सहित लाखों मतदाताओं तक पहुँचने की अभूतपूर्व क्षमता प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी जनसांख्यिकीय अभियान से वंचित न रह जाए।

वर्ष 2019 के चुनावों के दौरान व्हाट्सएप के व्यापक उपयोग ने राजनीतिक दलों को पूरे भारत में ग्रामीण मतदाताओं से जुड़ने में मदद की, जिससे चुनाव परिणाम काफी प्रभावित हुए हैं। डिजिटल अभियान पारंपरिक मीडिया की तुलना में कहीं अधिक किफायती हैं, जिससे सीमित बजट वाले छोटे लोगों को भी प्रतिस्पर्धा करने एवं मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से पहुँचने की अनुमति मिलती है। वर्ष 2015 के दिल्ली चुनावों में आप की डिजिटल-संचालित रणनीति जैसे उभरते क्षेत्रीय राजनीतिक दल बड़ी पार्टियों की तुलना में न्यूनतम खर्च के बावजूद सफल साबित हुए हैं। डेटा एनालिटिक्स पार्टियों को विशिष्ट मतदाता वर्गों के लिए अनुरूपित संदेश बनाने में सक्षम बनाता है, जिससे उनके मूल्यों एवं चिंताओं से मेल खाने वाले संदेशों के साथ सही दर्शकों तक पहुँचने की संभावना में सुधार होता है। ब्रेक्सिट सहित वैश्विक चुनावों के दौरान कैम्ब्रिज एनालिटिका की सूक्ष्म-लक्ष्यीकरण रणनीतियों ने दिखाया है कि कैसे लक्षित डिजिटल संदेश मतदाता व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। सोशल मीडिया मतदाताओं के साथ वास्तविक समय पर बातचीत करने में सक्षम बनाता है, जिससे राजनीतिक नेताओं को चिंताओं को तेजी से संबोधित करने, जनता की राय को आकार देने एवं तत्काल प्रतिक्रिया के आधार पर अभियान रणनीतियों को समायोजित करने की अनुमति मिलती है। प्रधानमंत्री की सक्रिय ट्विटर उपस्थिति ने उन्हें अपने पूरे राजनीतिक जीवन में मतदाताओं के साथ सीधा एवं निरंतर संवाद बनाए रखने की अनुमति दी है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, विशेष रूप से सोशल मीडिया, युवा मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित होते हैं, जो राजनीतिक कंटेंट का ऑनलाइन उपभोग करने की अधिक संभावना रखते हैं, जिससे महत्वपूर्ण मतदाता आधार के साथ प्रभावी जुड़ाव सुनिश्चित होता है। वर्ष 2024 के चुनावों में राजनीतिक दलों की इंस्टाग्राम रणनीति विशेष रूप से युवा मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए डिजाइन की गई थी।

डिजिटल अभियान, जब जिम्मेदारी से उपयोग किए जाते हैं, तो मतदाताओं को सीधे नीतियों के बारे में सूचित करके, उन्हें सूचित विकल्प चुनने में मदद करके एवं समग्र चुनावी भागीदारी को बढ़ाकर अधिक पारदर्शिता प्रदान कर सकते हैं। वर्ष 2020 के अमेरिकी चुनाव के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के डिजिटल टाउन हॉल ने महामारी प्रतिबंधों के बावजूद मतदाताओं को उनके साथ सीधे बातचीत करने की अनुमति दी। आधुनिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म अक्सर बड़े बजट वाले दलों के विज्ञापनों को अधिक दृश्यता देकर उनका पक्ष लेते हैं, अभियान को अमीर राजनीतिक संस्थाओं के पक्ष में झुकाते हैं, जिससे चुनावी निष्पक्षता कम हो जाती है। गूगल के विज्ञापन वैश्विक चुनावों के दौरान उच्च-बजट वाली पार्टियों के पक्ष में पाए गए, जिससे उन्हें मतदाता पहुँच में लाभ मिला। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक विचारों का ध्रुवीकरण हो सकता है एवं अधिक खंडित तथा शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे रचनात्मक बहस कम हो सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है एवं अधिक खंडित, शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल बन सकता है, जो रचनात्मक बहस को कम कर देता है। 2019 में फेसबुक विज्ञापनों पर राष्ट्रीय पार्टियों का भारी खर्च छोटे क्षेत्रीय दलों के बजट से कहीं अधिक हो गया। डार्क विज्ञापनों एवं अत्यधिक लक्षित राजनीतिक संदेशों के उपयोग से नियामकों तथा जनता के लिए यह ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है कि विशिष्ट मतदाता समूहों को कौन सी जानकारी प्रसारित की जा रही है, जिससे पारदर्शिता कम हो जाती है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म अक्सर पर्याप्त तथ्य-जाँच उपायों को लागू करने में विफल रहते हैं, जिससे झूठे दावे जारी रहते हैं एवं संभावित रूप से गलत या जानबूझकर हेरफेर की गई जानकारी के साथ मतदाताओं को गुमराह किया जाता है। भारत के वर्ष 2019 चुनावों के दौरान फर्जी खबरों को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करने के लिए व्हाट्सएप की आलोचना की गई, जिसने मतदाताओं की धारणा को प्रभावित किया। उल्लंघनों के माध्यम से मतदाता डेटा का शोषण राजनीतिक अभियानों को व्यक्तिगत जानकारी के आधार पर लक्षित संदेश भेजकर मतदाताओं को हेरफेर करने की अनुमति दे सकता है, जिससे मतदाता स्वायत्तता से समझौता हो सकता है। कैम्ब्रिज एनालिटिका घोटाले ने उजागर किया कि भारत सहित विश्व भर में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए मतदाता डेटा का अनैतिक रूप से उपयोग किया गया था। सरकारों एवं चुनाव निकायों को डिजिटल प्लेटफॉर्मों को गलत सूचना के लिए जिम्मेदार ठहराने तथा झूठे कंटेंट के प्रसार के लिए दंड लागू करने के लिए सख्त नियम लागू करने चाहिए। पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अनियमित खर्च के माध्यम से प्राप्त अनुचित लाभ को रोकने के लिए राजनीतिक दलों को अपने डिजिटल विज्ञापन व्यय का पूरी तरह से खुलासा करने की आवश्यकता होनी चाहिए। डिजिटल विज्ञापन खर्च पर विस्तृत रिपोर्ट अनिवार्य करने से चुनाव के दौरान समान अवसर सुनिश्चित हो सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म को झूठी सूचनाओं की निगरानी एवं हटाने के लिए स्वतंत्र तथ्य-जाँचकर्ताओं के साथ सहयोग करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि केवल सटीक राजनीतिक संदेश ही मतदाताओं तक पहुँचें। राजनीतिक कंटेंट की व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए तृतीय पक्ष के तथ्य-जांचकर्ताओं के साथ फेसबुक की मौजूदा साझेदारी का विस्तार किया जा सकता है। चुनावी समानता बनाए रखने के लिए, राजनीतिक दलों द्वारा डिजिटल विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली राशि पर सीमाएँ लगाई जानी चाहिए, जिससे अमीर पार्टियों को डिजिटल क्षेत्र पर हावी होने से रोका जा सके। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर एल्गोरिदम को यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, कि सभी पार्टियों के राजनीतिक विज्ञापनों को पार्टी के वित्तीय संसाधनों की परवाह किए बिना समान प्रदर्शन मिले। लोकतांत्रिक निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए गूगल जैसे प्लेटफ़ॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छोटे दलों के विज्ञापनों को बड़े दलों के समान दृश्यता मिले। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर चलने वाले सभी राजनीतिक विज्ञापनों वाला एक केंद्रीकृत डेटाबेस जनता के लिए सुलभ होना चाहिए, जिससे संदेश भेजने में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके एवं गुप्त अभियानों को रोका जा सके। गूगल का विज्ञापन पारदर्शिता केंद्र एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन इसे सभी राजनीतिक विज्ञापनों पर अधिक व्यापक डेटा की आवश्यकता है। सरकारों एवं डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों को हानिकारक राजनीतिक कंटेंट के प्रसार को रोकने तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किए गए सहयोगी ढाँचे के साथ निगरानी को मजबूत करने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। डिजिटल अभियान, परिवर्तनकारी होते हुए भी, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निरीक्षण की आवश्यकता है। जैसा कि अब्राहम लिंकन ने जोर दिया था, ‘लोकतंत्र लोगों का, लोगों द्वारा, लोगों के लिए’ होना चाहिए। डिजिटल अभियानों में समान पहुँच एवं कंटेंट विनियमन सुनिश्चित करने से लोकतांत्रिक मूल्य मजबूत होंगे तथा डिजिटल युग में चुनावी प्रक्रियाओं की अखंडता बरकरार रहेगी।

जीवन में विसर्जन का सही अर्थ जानें

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

सनातन धर्म विभिन्न त्योहारों से सुसज्जित है और हर त्योहार का हमारे जीवन में एक विशेष महत्व रहता है। बीते दिनों हमने गणपति बप्पा का स्वागत किया और परिवार के एक सदस्य की तरह उनका ध्यान रखा। जब समय आया उनके विसर्जन का।तो नम आँखों से अगले वर्ष पुनः अपना स्नेहाशीष देने के वायदे के साथ उनको विसर्जित किया। हम ये मानते हैं कि हर पर्व अपने भीतर कुछ भावनाएँ समाए हुए रहता है। मानव जीवन में विसर्जन का भी एक विशेष महत्त्व है। विसर्जन का अर्थ समाप्त करना तो बिल्कुल भी नहीं। बल्कि इसका अर्थ है कि हम पुराने सब दुखों को मिटाकर एक नए जीवन की शुरुआत करें। बप्पा आए हैं तो हमारे हर कष्ट को दूर करके अपने साथ ले गए और पीछे सुनहरी यादें एक उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दे गए है।गणेश चतुर्थी के 10 दिन हमें अनुशासन भी सिखाते हैं।आज कल जैसे इन 10 दिनों में बच्चों के लिए भी विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन होता है। हमें पता ही नहीं चलता कि कब इन कार्यक्रम के माध्यम से ही हम अपनी आगामी पीढ़ी को अपने संस्कार भेंट के रूप में दे रहे है। ये 10 दिन गणपतिजी के साथ बिताए उस हर पल के लिए बच्चो को याद रहेंगे। यही उनके भीतर अपने धर्म, अपनी संस्कृति को सहेजकर रखने के लिए भावनाएँ जगाएंगे । इन 10 दिनों की बात करें तो हमें जानते हैं कि बप्पा। 1 दिन अवश्य जाएंगे। लेकिन इससे भी अधिक हमें ये विश्वास रहता है। कि वे फिर आयेंगे। यही सकारात्मक सोच। हमें हमारे भविष्य के लिए भी प्रेरित करती है कि अगर कुछ बुरा समय है। तो वो भी चला जाएगा। और अच्छा समय जरूर वापस आएगा।

विसर्जन के साथ साथ हमारी आस्था को एक नया स्वरूप मिलता है। आस्था का अर्थ मात्र धार्मिक होना नहीं है। बल्कि आस्था का अर्थ है अपने भीतर एक विश्वास को जगाना। आप में कि जो आज हैं। वो कल नहीं होगा। तो क्यों नहीं फिर आज के इस हर पल को हम भरपूर जीए। यदि भगवान को निवेदन कर जब हम बुलाते है उनको नहीं रोक पाते तो क्या? हम अपने प्रारब्ध को रोक सकते हैं? तो क्यों फिर कल की चिंता करें? क्यों नहीं कर्म को ही अपना सर्वस्व मानते हुए। अपने जीवन को एक नई दिशा प्रदान करें और विसर्जित करें। अपने भीतर की उस नकारात्मक ऊर्जा को जो हमें हमारे ही हर क्षण में एक शंका देती है। उस शंका के कारण हम ना तो अपने आज को जी पाते है और ना ही आने वाले कल के सुनहरे भविष्य के सपने संजो पाते हैं।

जब सबकुछ पहले से ही निर्धारित है तो क्यों ना अपने कर्म को ही अपना आधार मानकर हम अपने आज को एक वह और सकारात्मक रूप दें। तभी वह सफल भविष्य बनकर हमारे सामने आता है। गणेश उत्सव मात्र कुछ दिनों के लिए नहीं बल्कि हमेशा के लिए कुछ सीख देकर जाता है। मानवीय मूल्यों को भूलकर आज जब हम स्वार्थ को ही सर्वस्व मान चुके है। इन दिनों में हम दूसरों के साथ मिलना,समय व्यतीत करना,आरती करना और नाचते-गाते हुए गणपति जी का विसर्जन करते है, तो हमारे भीतर का मानव जो मिल-जुल कर रहना चाहता है लेकिन हमारे अहम के कारण वह कहीं दूर हो जाता है। उस मानव से गणपति जी हमारा मेल कराते है। बैर को दूर भगाकर एकता सीखाते है। जाते हुए भी गणपति जी हमारे भीतर एकता की लौ जलाकर जाते है। अब यह हम पर है कि हम अपने भीतर की किस भावना को अपना प्रतिनिधि चुनते है।

आजकल ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है कि हम अपने ही त्योहारों को सहजता से मनाए। कभी ना कभी हमारे भीतर की कुंठा हमें ही नकारात्मक करने पर विवश कर देती है। यही वह समय है जब हमें हमारे भीतर छिपी सकारात्मक ऊर्जा का प्रयोग करते हुए एकता का परिचय देना चाहिए। धार्मिक आयोजनों में सम्मिलित होने से हमारे भीतर अपने इष्ट के लिए ही नहीं बल्कि अपने इष्ट द्वारा बनाई इस प्रकृति के लिए भी ज़िम्मेदारी की भावना आती है। हम स्वयं को खुशकिस्मत समझते है कि ईश्वर ने हमें अपने कार्य के लिए चुना। त्यौहार हमें अहसास दिलाते है कि हम अपने आराध्य के लिए कितने महत्वपूर्ण है। वरना जिस शक्ति ने पूरे ब्रमांड का निर्माण किया है, उसे किन्हीं विशेष दिनों की क्या आवश्यकता है। हमें परमात्मा के इशारों को समझना होगा कि आवश्यकता उनकी नहीं बल्कि हमारी है कि हम अपने जीवन के कुछ विशेष दिनों में अपने भीतर की नकारात्मक को खत्म करते हुए खुशीयों को थामे। मानवता को सीखें और जियो और जीने दो को अपनाते हुए सबका सम्मान करें। अपने भीतर के अहंकार को खत्म करते हुए दया की भावना से मानवीय जीवन को एक नया रूप दे।

आइए,उस परम शक्ति का धन्यवाद करते हुए अपने भीतर के अहम को तिलांजली देकर त्योहारों के सही अर्थ को अपनाए और अपनी कुंठाओं का विसर्जन करके एक सच्चे मनुष्य होने के और एक कदम बढाएं।

व्यंग्य

सुधीर देशपांडे

(व्यंग्यकार एवं लेखक)

सोचता हूँ एकाध सम्मान जुगाड़ ही लूँ

जिंदगी में सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं है. और जैसे जैसे आप बड़े होते हैं यह सम्मान आप की जरूरत बन जाता है. छोटे थे तो बड़ों का सम्मान करना पड़ता था तो लगता था कि अपन बड़े हो जाएंगे तो छोटे अपना सम्मान करेंगे. जैसे कि होता है आप अपने से छोटे को वही सिखाते हैं जो आपको आपके बड़ों ने सिखाया, और वैसे ही सिखाते हैं. याने पहले समझाकर, दूसरे डाँटकर तीसरे वही पीटकर. अब यदि यहाँ आपने तीनों में से कोई भी प्रयत्न सिखाने के नाम पर किया तो ये क्या तरीका हुआ, सुनने का साहस रखिए, यदि यह कहो कि सिखा रहा था तो भी सिखाने का ये तरीका तो नहीं है, सुनना ही है. जब कि वह खुद सिखाने के चक्कर में चारों उपाय कर चुका हो.

किसी ने कहा था कि सम्मान पाने के लिए वैसे काम भी करना पड़ते हैं. वैसे उन्होंने इसके लिए पापड़

बेलने की बात भी कही थी. पापड़ बेले भी थे परंतु उनके आकार प्रकार से न माँ खुश थी न पत्नी खुश हुई. तो वो जो सम्मान का मिलना है वह पापड़ बेलने से भी गया.

समाजसेवा के क्षेत्र में बहुत भाग दौड़ करनी पड़ती है फिर भी सुविधा वहाँ कम ही होती है. दो तीन बार फल और ब्रेड की टोकरियाँ लेकर अस्पताल में गया हूँ पर हुआ यह है कि वहाँ पहुँचने से पहले ही टोकरी के फल या तो मित्रों द्वारा खा लिए गये या फिर अस्पताल के स्टाफ ने रख लिए. स्वच्छता का सबक पढाने के उद्देश्य से एक गांव पहुंचे साफ सफाई की तो सरपंच ने कहा आप लोगों ने सफाई करी ये बहुत अच्छा काम है, पर हर हफ्ते आकर सफाई कर दिया करें तो स्वीपर का खर्चा बच जाएगा. तो उम्मीद इस काम में कम थी.

किसी ने पढ़ने लिखने से सम्मान मिलने की बात कही थी सो कमरे में बैठकर लिखने पढ़ने और फिर उसे सुनाने की इच्छा ने बल पकड़ लिया. कुछ निगाह में थे जो न लिखते थे न पढ़ते थे फिर भी हर हफ्ते सम्मान समारोह में सम्मानित होते थे. पढ़ने लिखने के दौरान यह भी समझ आ गया कि सम्मान कार्यक्रम जो है वह भी उद्योग का दर्जा हासिल कर चुका है और इसके आयोजक उद्योगपति हो चुके हैं. इसके लिए बाकायदा विज्ञप्तियाँ जारी की जाती हैं. इसमें सम्मान की चाह रखने वाले को केवल कुछ सौ या हजार रुपये देना पड़ते हैं और सम्मान हो जाता है. इन आयोजनों में थोक में सम्मान दे दिये जाते हैं. तो कह रहा था कि सम्मान पाने की इच्छा अब काफी बढ़ चुकी थी.अर्थशास्त्र का सिद्धांत है कि किसी अप्राप्य की इच्छा पूर्ण करना विलासिता है किंतु जब उसके बिना जीवन कठिन हो तो वह आवश्यकता बन जाती है. सोच रहा हूँ यह सम्मान, जिसमें हार, श्रीफल, शाल, स्मृतिचिन्ह और सम्मान राशि जैसा कुछ हो एकाध सम्मान जुगाड़ ही लिया जाए. कोई हर्ज नहीं हैं न?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

‘सुबह सवेरे’ में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

विशेष

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पूर्वजों को जल देना सिर्फ कर्मकांड नहीं, विज्ञान भी

भारतीय ऋषियों ने अपने किए गए तमाम शोधों में से एक अनुसंधान देह की समाप्ति (मृत्यु) के बाद के दूसरे संसार पर भी किया है, जिसे हम आत्माओं का घर भी कहते हैं। जिस प्रकार मनुष्य अनेकानेक जीवाणुओं और विषाणुओं को अपनी खुली आंखों से देख नहीं सकता, किंतु उनका अस्तित्व है, उसी प्रकार से आत्माओं का जगत है, जहां से मृत्यु लोक में ये आत्माएं नाना प्रकार के शरीरों में बार-बार आती हैं। कुछ हमारे आस-पास भी रहती हैं। इनमें से कुछ ऐसी भी हैं जोकि लम्बे समय तक जन्म नहीं लेतीं, क्योंकि उनका पूर्व जन्म का बंधन जोकि मन से जुड़ा है वह जागृत रहता है, स्वभाविक है, वे आत्माएं अपने कुल-परिवार से इतनी अपेक्षा जरूर करेंगी कि वे उनके वर्तमान में भौतिक अस्तित्व का कारण हैं, इसलिए कम से कम कुछ दिन ही सही उनके प्रति श्रद्धा का संस्कार तो पूर्ण करेंगे ही।

वास्वत में श्राद्ध की मूलभूत परिभाषा यह है कि प्रेत और पितर के निमित्त, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक जो अर्पित किया जाय वही श्राद्ध है। यह श्राद्ध ठीक आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से पितृपक्ष प्रारंभ होता है और 15 दिन शुक्ल प्रतिपदा तक चलता है। पितृपक्ष में पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जो यव (जौ) तथा चावल का पिण्ड देता है। इस संबंध में श्रीमद्भागवत में भगवान श्री कृष्ण का कथन है-

जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।

तस्माद्परिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि।। श्रीमद्भगवत गीता अध्याय 2, श्लोक 27

अर्थात् जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुन- जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। हालांकि श्राद्ध कर्म, तर्पण विधि की वैज्ञानिकता और अवैज्ञानिकता के अपने तर्क हो सकते हैं, किंतु इसे कुछ इस तरह समझना होगा जैसा कि हमारे आस-पास अनेकों पाई जानेवाली ध्वनि तरंगे हैं। इन तरंगों को आप महसूस नहीं कर सकते, किंतु हर तरंग आपकी ली गई सांसों से शरीर के अंदर और बाहर स्वतः हो रही हैं। इस संपूर्ण प्रक्रिया में जैसे ही एक निश्चित तरंग को उसकी संचारक गति पर स्थिर किया जाता है, सामने से आवाजें सुनाई देने लगती हैं। बोलते चित्र भी प्रकट हो जाते हैं।

भारतीय ऋषि परंपरा है पूरी तरह वैज्ञानिक

वस्तुतः जो भी लोग श्राद्ध पक्ष को लेकर अविश्वास व्यक्त करते हैं, उन्हें यहां समझ लेना होगा कि अपनी ऋषि परंपरा पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं। अब तक हिन्दू जीवन की जीतनी भी परंपराएं पाई गई हैं, उसके पीछे कोई न कोई वैज्ञानिकता सामने आती रही है। हिन्दू शास्त्रकारों ने इस विषय की ऐसी बारीकी से खोज की है कि मनुष्यों को अपने सब प्रकार के भले बुरे कर्मों के परिणामों का भली प्रकार ज्ञान हो जाता है और वे परलोक के स्वरूप को बहुत अच्छी तरह समझ सकते हैं। उदाहरण के तौर पर मृत्यु के बाद दाह संस्कार ही क्यों किया जाता है? तब इसका उत्तर होगा कि कोई भी मनुष्य हो, वह प्रकृति से जीवन भर लेता है, यदि कोई इंसान अत्यधिक कंजूस है, सिर्फ लेने पर ही भरोसा रखता है, उससे भी जीवन के अंत के बाद पांच तत्वों में भौतिक शरीर के विलीन हो जाने पर शेष अस्थियों में बचे अग्नि के ताप से पवित्र कैल्शियम और फास्फोरस को बहते हुए नदी जल में विसर्जित कर जीव-जगत की सेवा करने का विधान है।

गंगा, यमुना, गोदावरी, काबेरी या अन्य नदी के एक घाट पर अस्थि विसर्जन चल रहा होता है तो दूसरे घाट से नदी के पवित्र जल को अनेक मनुष्य एवं नाना प्रकार के जीव-जन्तु पीकर अपनी प्यास बुझा रहे होते हैं। स्वभाविक है कि विसर्जित अस्थियों का जल उन तमाम शरोरों में जाता है जोकि नदी के जल का सेवन करते हैं या वह जल कृषि कार्य में उपयोग लिया जा रहा है। इस पूरे चक्र में आप देखेंगे कि विसर्जित अस्थियों का कैल्शियम जल के पीने के साथ अनेक जीवों के शरीर में जाकर उनके जीवन को पुष्टता प्रदान करता है और शरीर में प्राकृतिक रूप से कैल्शियम की कमी को दूर करने का कारण बनता है। इसी प्रकार के अनेकों उदाहरण वनस्पतियों, औषधी, धातु, सौरमण्डल, खगौल विज्ञान, वास्तु विज्ञान समेत हर क्षेत्र में आज प्रमाणित हो चुके हैं, जिन्हें कल तक सिर्फ धारणा कहकर या हिन्दू माइथोलॉजी (मिथ) कहकर आविश्वास प्रकट करते हुए उनके होने पर ही प्रश्न खड़ा किया जाता था, उन्हें सही होने के बाद भी नकार दिया जाता था, किंतु आज वे शतप्रतिशत सही सिद्ध हो चुके हैं।

पुनर्जन्म की अनेक कहानियां आ चुकी हैं अब तक सामने

कहना होगा कि मृत्यु के बाद जीवन का विषय भी कुछ इसी प्रकार का है। भारतीय संदर्भ में मृत्यु के बाद नए जीवन लेने के कई उदाहरण वर्तमान में हमारे सामने हैं, जोकि अन्य मत, पंथ, रिलीजन की धारणाओं के उलट हैं, जैसेकि बेंगलुरु की नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत डॉ. सतवंत पसरिया द्वारा इस विषय पर लम्बे समय तक किए गए शोध के आधार पर पुनर्जन्म पर प्रकाशित 'श्क्लेम्स ऑफ रिइंकार्नेशनः एम्पिरिकल स्टी ऑफ कैसेज इन इंडियास' पुस्तक लिखी गई। इसमें उन्होंने 1973 के बाद से भारत में हुई 500 पुनर्जन्म की घटनाओं का उल्लेख किया है। यह पुस्तक तथ्यों के साथ यह प्रमाणित कर देती है कि मृत्यु के बाद पुनर्जन्म है और पुनर्जन्म होने के पहले पितर, प्रैत योनी भी है, जहां कई बार पुनः जन्म लेनेवाली आत्मा को कई वर्षों तक रुकना पड़ा था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक बिकने वाली किताबों में शामिल 'मैनी लीव्स मैनी मास्टर्स' है, जिसके लेखक डॉ. ब्रायन वीस एक मरीज की सच्ची कहानी के बारे में लिखते हैं। ब्रायन वीस अपने मरीज से सवाल पूछते हैं। उक्त महिला मरीज जब इन सवालों के जवाब देती है तो वीस हैरान रह जाते हैं। क्योंकि इन समस्याओं के तार पिछले जन्म से भी जुड़े रहते हैं। गीता प्रेस गोरखपुर ने भी अपनी एक किताब 'परलोक और पुनर्जन्मांक' में ऐसी कई घटनाओं का वर्णन किया गया है, जिससे कि पुनर्जन्म होने की पुष्टि होती है। इस बच्चे की उम्र केवल चार साल थी, तबसे कहीं बड़ी उम्र के महिला-पुरुष इसे पिता और ससुर के रूप में सम्मान दे रहे हैं। बच्चा भी उनके साथ उसी तरह का व्यवहार करता है जैसे वह उनका पिता और सुसुर हो। इसका कारण इस बच्चे का इन लोगों से पिछले जन्म का रिश्ता होना है। यह घटना मध्यप्रदेश के सीहोर जिले से

10 किलोमीटर दूर बसे लसूडिया गांव की है। इस गांव में 11 अगस्त 2008 को आत्माराम के घर एक बालक का जन्म हुआ। परिवारवालों ने इस बालक का नाम विशाल रखा था, चार साल की उम्र में इस बालक ने अपने पिछले जन्म के परिवार जनों के बारे में बताया और मिलने की जिद की।

दरअसल, वह बता रहा था कि मोगराराम नाम के स्थान का रहनेवाला है और उसका नाम मेहताब सिंह है। बच्चे को जब मोगराराम ले जाया गया तो पता चला कि उसका कहा सच है। इस विशाल नाम के चार साल के बच्चे ने पूर्वजन्म में उनके साथ हुई लूट की घटना और खेत-खलिहान तक को पहचान लिया। मेहताब सिंह के बेटे और बहू ने चार साल के विशाल को अपना पिता और ससुर मान लिया और इसी रुप में इन्हें सम्मान दिया। गीताप्रेस गोरखपुर से प्रकाशित कल्याण पत्रिका में इस घटना का उल्लेख किया गया है। अमेरिका की वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ. इयान स्टीवेंसन ने 40 साल तक इस विषय पर शोध करने के बाद एक किताब 'रिइंकार्नेशन एंड बायोलॉजी' लीखी थी जिसे सबसे महत्वपूर्ण शोध किताब माना गया है।

वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा 'आचार्य' ने एक किताब लिखी है, 'पुनर्जन्म : एक ध्रुव सत्य।' इसमें पुनर्जन्म के बारे में अच्छी विवेचना की गई है। लखनऊ लिट्रेचर फेस्टिवल-2018 में पूर्वजन्म की अवधारणा पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया, नाम है 'पास्ट फॉरवर्ड'। यह पुस्तक अमृता लांबा नाम की लेखिका ने अपने पिता बलबीर सिंह उप्पल के जीवन पर लिखी है, उन्हें अपने पिछले जन्म की सभी बातें याद रहीं। बचपन में ये अपने माता-पिता के साथ अपने पिछले जन्म के घर, जो अब पाकिस्तान में है भी गए थे। लेकिन बाद में इनके माता-पिता ने वहां जाना बंद कर दिया क्योंकि वे अपने बेटे को परेशान होते हुए नहीं देखना चाहते थे। अमृता ने अपने पिता द्वारा बताई गई यादों पर पाकिस्तान जाकर ही रिसर्च की और सबकुछ सही पाया। यानी कि मृत्यु के बाद जीवन है और इस पुनर्जीवन के बीच जो ठहराव है, वह पितर लोक का है।

चंद्रमा पर है पितरों (आत्माओं) का निवास

शतपथ ब्राह्मण में कहा है विभुः उर्ध्वभागे पितरो वसन्ति यानी विभु अर्थात् चंद्रमा के दूसरे हिस्से में पितरों का निवास है। अब यह बात अलग है कि पश्चिम का विज्ञान इसे अब तक सत्य स्वीकारने को तैयार नहीं, किंतु भारत में इसके अनेकों उदाहरण ही नहीं परकाया प्रवेश से लेकर आत्मा के प्रकाश और स्थूल शरीर के बिना जीवन को तथ्यों के आधार पर स्वीकार करनेवाले वैज्ञानिकों की कोई कमी आज भी नहीं है। श्राद्ध कर्म में पिण्डदान हो या जल एवं तिल इत्यादि पितरों को समर्पित करना, यह हमारी श्रद्धा से जुड़ा है। वस्तुतः श्राद्ध आत्मा के गमन जिसे संस्कृत में प्रैति कहते हैं का ही पर्याय है। प्रैति ही बाद में लोक भाषा में भूत-प्रेत बन गया, जबकि यह आत्मा और मन है। जब शरीर छूटता है तो प्राण तत्व मन को लेकर बाहर निकलता है। किंतु मोह वश वह मृत हुई अपनी देह के इर्द-गिर्द ही घूमता है। शरीर के अग्नि में समाहित होने के बाद भी प्राण मन के साथ उस देहआत्मा के बन्धु-बान्धव यानी कि कुटुम्ब के साथ एक मय रहता है।

मन के बारे में शास्त्र कहते हैं कि मन चंद्रमा से जुड़ा है। यह चंद्रमा से आता है और चंद्रमा में ही जाता है। दाह संस्कार के समय चंद्रमा जिस नक्षत्र में है, प्राण मन को उस ओर ही लेकर जाता है। चंद्रमा 27 दिनों के अपने चक्र में क्रमशः 27 नक्षत्रों में घूमता है, और अट्ठाइसवें दिन फिर से उसी नक्षत्र में आ जाता है। मन की यह 28 दिन की यात्रा है। इसलिए मासिक श्राद्ध और पिण्ड दान का विधान हिन्दू सनातन व्यवस्था ने किया है। इसी के साथ यहां पिण्ड दान में चावल एवं अन्य अन्नों के महत्व को भी समझते चलते हैं। चंद्रमा सोम का कारक है। इसलिए उसे सोम कहा गया। सोम सबसे अधिक चावल में पाया जाता है। सोम तरल दृव्य है, धान भी सदैव पानी में डूबा रहता है। चावल के आटे का पिंड भी इसीलिए बनाया जाता है, तिल और जौ भी इसमें मिलाते हैं, फिर पानी और घी भी मिलाया जाता है, जिससे कि इसमें और भी अधिक सोमत्व आ जाता है।

श्राद्ध की हर क्रिया के पीछे है गहरा भाव निहित

हिन्दू शास्त्रों के अनुसार शरीर के अंग-प्रत्यांगों में हथेली के ऊपरी भाग अंगूठे और तर्जनी के मध्य में नीचे का उभरा हुआ स्थान शुक्र स्थान है। शुक्र से ही हम जन्म लेते हैं और हम शुक्र ही हैं, इसलिए वहाँ पिण्डदान करते समय कुश रखा जाता है। कुश ऊर्जा का कुचालक होता है। श्राद्ध करने वाला इस कुश पर पिंड को रखता है फिर उसे सूंघता है। ऐसा करने के पीछे का भाव यह है कि उसका और उसके पितर का शुक्र जुड़ा हुआ है, इसलिए वह श्रद्धाभाव से आकाश की ओर देख कर, सूंघकर उसे पितरों को समर्पित करता है और पिंड को जमीन पर गिरा देता है। ऐसा करने से पितरों को ऊर्जा मिलती है।

इस तरह से हम सनातनी प्रैति या प्रेत को उसके गंतव्य स्थान चंद्रमा तक पहुँचाने की व्यवस्था करते हैं। इसलिए पिंडदान षोडश संस्कार में अंतिम संस्कार का एक महत्वपूर्ण विधान है। इस क्रिया के बाद से फिर मोक्ष की यात्रा शुरू हो जाती है, चंद्रमा में जाते ही मन का विखंडन हो जाएगा। मोक्ष का यही रास्ता है। उसके बाद फिर देहआत्मा पुनर्जन्म लेगी अथवा नहीं, यह उसके सिंचित कर्मों पर निर्भर करता है। तब तक वह चंद्रमा पर वास करेगी, इन पितर पक्ष के 16 दिनों में हर वर्ष चंद्रमा पृथ्वी के सबसे नजदीक होता है, इसलिए इन दिनों में पितरों की विशेष पूजा एवं आराधना की जाती है।

श्राद्ध का आर्थिक पक्ष ग्राम्य और वन संस्कृति को समृद्ध बनाने से जुड़ा है।

इसके साथ ही इन 16 दिनों की पूजा का आर्थिक पक्ष भी है, समाज में सुदूर ग्राम्य एवं वन्य जीवन में नदियों के किनारे पाई जानेवाली विशेष कुशा (घास) से बनने वाले आसन एवं श्राद्ध के दौरान अनामिका उंगली में पहनी जाने वाली कुशा की अंगूठी जिसे पवित्री कहा जाता है उसका अपना महत्व है। अनामिका उंगली में कुशा की अंगूठी पहनना शुभ माना गया है। इसके अलावा पूजा की कई सामग्रियां ग्राम्य एवं वनांचल में तैयार की जाती हैं। इन 16 दिनों में जब भारत के कौने-कौने में सनातन हिन्दू समाज अपने पूर्वजों के लिए इस कुशा एवं अन्य पूजा सामग्री का उपयोग करता है तो देश के बहुत अंदर या वनांचल क्षेत्र में पाई जानेवाली समस्त कुशा से बनने वाले आसन एवं अन्य सामग्रियों का उपयोग (खपत) इतनी अधिक होती है कि कई बार इनकी बाजार में कमी तक हो जाती है। कहने का तात्पर्य है कि धन का विकेंद्रीकरण, यहां श्राद्ध पक्ष में आप सुदूर बैठे लोगों तक सहजता से होता हुआ पाते हैं, ताकि उनकी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति वर्ष भर इसी काम से हो जाए। तब यह श्राद्ध कर्म अपने पितरों को श्रद्धा अर्पित करने तक सीमित नहीं रह जाता है, यह अनेकों के जीवन में उजास लाने का कारण बनता हुआ भी दिखाई देता है।

अतः कहना होगा कि जिस अनुसंधान की उच्चावस्था तक भारतीय मनीषा पहुंची है, उस तक अभी आधुनिक-पश्चिमी विज्ञान को पहुंचने में बहुत समय लगेगा। अब तक समय के साथ भारत के ऋषियों की बातें, उनकी समस्त खोजें सच साबित होती रही हैं। इस आधार पर आप यह उम्मीद कर सकते हैं कि श्राद्ध पक्ष और पितृ पक्ष से जुड़ा यह वैज्ञानिक पक्ष भी एक दिन आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर संधारित हो जाएगा, इसलिए आप अपनी जड़ों से जुड़े रहें, अपने पूर्वजों को इन 16 दिनों तक सतत याद कर उनके प्रति अपने होने के कारण के निमित्त श्रद्धा अर्पित करते रहें। अपने पूर्वजों को जल देने का भारतीय विधान सिर्फ कर्मकांड नहीं, विज्ञान ही है।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

उम्मीद जिंदा रखिए, बाजी आप जीतेंगे..

हर किसी को अपने-अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष के दौर से गुजरना होता है। लेकिन यह कतई आवश्यक नहीं कि हर किसी को उसके संघर्ष का अपेक्षित परिणाम दिखाई दे। आमतौर पर ऐसी स्थिति अवसाद को जन्म देने लगती है। जिसके चलते हताशा और निराशा के घोर अंधकार में भटक जाने की

संभावनाएं उत्पन्न हो सकती है। ऐसी स्थिति में अंतर्मन की दृढ़ता ही वह एकमात्र उपाय है जिसके चलते हम अपनी सफलता का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। जरूरत केवल इस बात की है कि हम अपनी उम्मीद को बरकरार रखते हुए नाउम्मीदी के भंवर से पार पाने की दिशा में प्रयास करना न छोड़े।

एक हकीकत यह भी है कि चाहे संघर्ष का अपेक्षित प्रतिफल न मिले, तो भी किए गए संघर्ष से अनुभव का लाभ तो मिलता ही है। जिसके आधार पर हमारी क्षमता हिम्मत हार जाने वालों से कई गुना अधिक हो जाती है। दरअसल अनुभव की पूंजी भी बहुत मायने रखती है। किसी भी क्षेत्र में किसी भी शख्सियत की सफलतम स्थिति दो और दो बराबर चार जैसी आसान नहीं होती। जिंदगी का गणित ही कुछ ऐसा है कि हर किसी क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा का दौर हुआ करता है। नकारात्मक से नकारात्मक परिस्थिति में भी जिन्होंने अपने साहस को कभी डिगने नहीं दिया, उन्होंने ही अपने-अपने क्षेत्र में अपेक्षा से कहीं अधिक सफलता प्राप्त की है।

ऐसे दृष्टांत देखने-समझने के लिए अपने ही परिवेश में सफलता के शिखर को छू रही शख्सियत के संपूर्ण जीवन क्रम का आकलन करें, तो इस कथन की पुष्टि हो सकती है। कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में अनुकरणीय आदर्श हमें हमारे आसपास भी दिखाई देते हैं। ऐसा नहीं है कि किसी महापुरुष का व्यक्तित्व एवं कृतित्व ही हमें प्रेरणा देता हो, वास्तव में हम हर किसी से कुछ न कुछ सीँख हासिल कर सकते हैं। गरज यह कि हर हाल और हर परिस्थिति में हम अपनी उम्मीद को हमेशा जिंदा रखें। वास्तव में बुलंद हौसले ही बुलंदी के शिखर पर पहुंचाने में प्रबल रूप से सहायक सिद्ध होते हैं।

आमतौर पर कहा जाता है कि 'उम्मीद पर दुनिया टिकी हुई है।' इसी तर्ज पर हमारी सफलता भी हमारी अपनी उम्मीद पर टिकी हुई है। जीतने की संभावना उन्ही में होती है जो कि दौड़ में शामिल रहा करते हैं। आज दुनिया जिन महान विभूतियों की उपलब्धियों का बखान करते नहीं थकती, वे सीधे-सीधे सफलता हासिल करने वालों में से कतई नहीं थे। जाहिर है कि उन्होंने अपने क्षेत्र में कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में अपने संघर्ष को इतना मजबूत आधार दिया होगा कि वह कुछ ऐसा कर पाए, जो दूसरों के लिए दुष्कर था। दरअसल हम जिस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं, उस लक्ष्य को पहले किसी ने पाया हुआ होता है, इसलिए वह असंभव नहीं है।

मुद्दे की बात यह है कि उम्मीद को जिंदा रखिए, बाजी हम जीतेंगे। और कुछ नहीं तो अंतर्मन में यह सुकून तो रहेगा कि मैं जिस दौड़ में शामिल हूं, उनसे बेहतर हूं जो कि दौड़ नहीं रहे होते हैं। जीतू या न जीतू, लेकिन मैं दौड़ में शामिल हूं। यानी कि दौड़ते रहिए, दौड़ते रहिए, बस दौड़ते रहिए मंजिल पा सकते हैं। वैसे दुनिया में जीना भी कहां आसान है, जब जीने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है, तो यह मान कर चलिए कि हमें अपने क्षेत्र में जरा ज्यादा ही संघर्ष करना पड़ेगा। जिसकी सुखद परिणति कुछ इस रूप में होगी कि आप किसी और के लिए आदर्श के रूप में याद किए जाते रहेंगे।

इतिहास कैसे बनता है? तो यकीन मानिए कि इतिहास ऐसे ही बना करता है। इसलिए मैदान में आइए और बने रहिए, अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। उपलब्धियां भी अधिक दूर नहीं है।

कला संस्कृति

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

कला कलाकार की समग्र सत्ता का परिणाम होती है

कैनवास पर केवल कूंची ही नहीं चलती न ही रंग भर को उतारते रहते हैं इससे बहुत आगे जब अपना सब कुछ मन, प्राण इस तरह से उतार कर रख देते हैं कि कुछ बचे ही नहीं तो जो बनकर सामने आता है वह अलग ही होता है उसका आनंद ही अलग होता है। कैनवास पर केवल आकृति भर नहीं उतरती हम स्वयं ही उतर जाते हैं। जो कुछ सामने होता, जो दृश्य संसार होता वह पूरा का पूरा उतरता चला जाता है। यह सब संभव होता है जब कलाकार अपनी पूर्णता में अपनी कला में उतर जाना चाहता हो... कला पूरी ईमानदारी का दृश्य संसार है। जो कुछ है जैसा है वह सब आ जाए कुछ भी छिपाव नहीं, कुछ भी दुराव नहीं फिर जो कलाकृति होती है वह इतनी विशिष्ट हो जाती है जितनी और जिस मात्रा में कलाकार होता है। किसी भी तरह की कला क्यों न हो वह कलाकार की समग्र सत्ता का परिणाम होती है। कलाकृति में कलाकार पूरा आ जाता है। कला अधूरेपन की कहानी नहीं है। जो कुछ और जैसे भी है उसे मन में जीते हुए अपने आप को कैनवास पर उतार देना ही कला को जीना होता है। कलाकृति किसी अन्य की इच्छा का परिणाम नहीं होती अन्य की इच्छा से यदि कला रची जाती है तो वह अन्य के मन का ही प्रतिबिंब होता है। वहां सबकुछ कलाकार ही होता है इसलिए यह कहा जाना ठीक लगता है कि कलाकृति में कलाकार उपस्थित हैं और जहां कलाकार नहीं है वहां कुछ भी हो सकता है पर कलाकृति नहीं होगी। वह कुछ नहीं होगा जिसे देख आंखें तृप्त हो जाया करती हैं। आंखें तो तभी आश्चर्य प्रकट करती हैं जब कुछ अलग हटकर हों जिसके होने का कुछ विशेष अर्थ हो और वह सब जब आता है तो एक अलग ढ़ंग से ही दुनिया चमकने लगती है। एक दूसरा ही संसार दिखने लगता है। यह संसार ही कला संसार होता है। इस संसार में कलाकार और कलाकृति एकमेव हो अपने आप को सिद्ध करते हैं। यह कलाकार होना ऐसे थोड़े ही है। बात दर बात को जीना पड़ता है यदि आप जी नहीं सकते, यदि आप संसार में नहीं हैं और पूरे मन के साथ नहीं हैं तो भला कोई चीज कैसे सामने आ सकती है। यहां कला कला भर ही नहीं रह जाती है। कला से बहुत आगे हमारा जीवन संसार और अस्तित्व का राग का संसार चल पड़ता है। जो कलाकृति है उसमें कलाकार ही पूरा का पूरा उतर जाता है।

कलाकृति कला रूप की जीवंत प्राण छवि होती है - जीवन का मूल कला के क्षण और कला के मूल में होता है। कोई भी कला क्यों न हो वह एक रूप भर नहीं होती। वह बार बार अपनी छवि को नये सिरे से अभिव्यक्त करती है। कविता का सत्य, कलाकृति का सत्य, जीवन का सत्य और चेतना का सत्य एक ही भावभूमि पर चलता है। कलाएं ही जीवन होती हैं। कोई भी कैनवास पर यूं ही नहीं उतर जाता। उसे रचने गढ़ने में एक कलाकार ही उतर जाता है। इस तरह कलाकार ही कलारूपों में समाया होता है। कोई भी कलारूप क्यों न हो एक बार में न देखा जा सकता न एक बार में जाना जा सकता है। जितनी बार कलाओं को देखते हैं उतनी ही बार नये ढ़ंग से कला रूप संसार में आता है। हर कलाकृति कलाकार के सामने एक चुनौती होती है। कलाकृति के साथ ही कलाकार कैनवास पर उतर जाता है। किसी भी कलाकार को उसके मूल रूप में देखना जानना हो तो उस कलाकार की कृति को देखें चित्र में कलाकार ही उपस्थित है। कलाकृति में जीवन, संसार, और कलाकार के आत्म संघर्ष एक साथ होते हैं। अलग थलग कर हम कुछ नहीं देख पाते। यह बात दीगर है कि चीजों को अध्ययन की सुविधा के लिए आप अलग अलग उप शीर्षक में, अलग-अलग कोटियों में बांटकर रखते हैं पर तब तक कोई भी अध्ययन और बात पूरी नहीं होती जब तक उसे समग्र रूप में न देखा जाए। यहां हमारा संसार और जीवन अभिव्यक्त होता है। यह भी सत्य है और साफ है कि इसी बिंदु पर हर कलाकृति विशिष्ट होती है क्योंकि एक कलाकार की समूची आत्मसत्ता उसमें डुबी होती है। प्राण मन और आत्मा एक साथ कला रूप में होते हैं। पूरा दिल ही, एक तरह से कहें तो जिगर ही उतार कर रख देते हैं और फिर कैनवास अलग से ही चमकने लगता है, कुछ और ही कहने लगता है। वैसे तो जो कुछ भी करें जब तक दिल से यों कहें कि मन से नहीं करते तो कोई भी बात नहीं बनती। आप हवा में चित्र नहीं बना रहे हैं। हर चित्र में कैनवास के एक एक हिस्से में आप स्वयं उतर जाते हैं तब जाकर पूरा संसार पूरा दृश्य जगत और पूरा चित्र बनता है। आप चित्र भर नहीं बनाते उस चित्र में आप पूरी तरह से उतर जाते हैं यह सब रचनात्मक यात्रा के रूप में दिखता है। कभी भी कुछ भी यूं ही नहीं हो जाता। यूं ही कुछ नहीं होता। एक साहब थे कह रहे थे कि कविता में क्या है दो चार लाइन लिखी कुछ ऊपर की लिखी कुछ नीचे की लिख दी बीच में कुछ डैश कर दिया या हाइफन कर दिया हो गई कविता...अब ये कौन बताए कि कविता इतनी भी आसान नहीं है कि हर कोई लिख लें और कवि हो ही जाए। कवि लेखक होने के लिए अपनी सत्ता को निचोड़ कर रख देना होता है। रचना भी एक तरह से अंह का विलीनीकरण करती है। रचना में आते ही जो 'मैं' होता है जो अंह होता है वह एक सिरे से गायब हो जाता है। अंह को लेकर यदि चलते हैं तो फिर रचनात्मक होने या रचनाकार होने की सत्ता के बारे? में न सोचें। रचनात्मक यात्रा में सबसे पहले कलाकार अंह से ही किनारे होता है। जब तक अंह रहता तब तक रचनाकार सामने नहीं आता। यह कवि लेखक और कलाकार से लेकर रचनात्मक अर्थ को लेकर जीने वाले हर व्यक्ति में होता है। यह कवि और कलाकार का सच है कि रचना में वह अपने आप को पूरा निचोड़ कर रख देता है। कला रूप, कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास या कोई भी विधा क्यों न हो अक्सर जो लोग रचनात्मक यात्रा से बाहर होते हैं उनके लिए यह कोई खास उपलब्धि नहीं होती उनके लिए उपलब्धि का विषय कुछ और हो सकता है या आपकी स्थिति किसी क्षेत्र विशेष में विशेष होने की हो तो उन्हें लगता है कि हां कुछ कर रहे हैं या कुछ सत्ता आपकी है पर रचना तंत्र और रचनात्मक यात्रा में शामिल लोग अलग ही ढ़ंग से सोचते हैं उनके लिए यह क्षेत्र किसी भी अन्य क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से समाज सभ्यता और संस्कृति का निर्माण होता है। यहां से जीवन संसार में हम सब गहरे स्तर पर उतरना सीखते हैं और कलाएं जीवन की रचनात्मक उपलब्धि होती है। रचनात्मक यात्रा में हर कोई नहीं चल सकता इसके लिए एक अलग ही मनोभूमि का होना आवश्यक है। यह केवल अभ्यास जनित मार्ग भी नहीं है न ही शब्द और जीवन संसार का परिचय भर, बल्कि सही ढ़ंग से देखा जाए तो शब्द, जीवन, रस और तनाव के बीच निरंतर मानसिक संवाद की कथा जब दृश्य रूप में मन और आत्मा से होते हुए कागज या स्क्रीन पर उतर जाती तो रचना से साक्षात्कार होता है और यह कठिन परीक्षा है। सही ढ़ंग से देखा जाए तो यहीं कला और रचना का आंतरिक धर्म है जिसे कलाकार और रचनाकार को साधना होता है।

बैतूल में डाटर्स डे पर जुटेगी जिले, प्रदेश और देश की प्रतिभाशाली बेटियां

स्व. नेहा श्रीवास्तव की स्मृति में 30 बेटियों को दिया जाएगा मणिकर्णिका सम्मान

बैतूल। एक बार फिर हमारा बैतूल सेवा, समर्पण एवं बेटियों के सम्मान में नया अध्याय लिखने जा रहा है। 22 सितंबर डाटर्स डे के अवसर पर जिले, प्रदेश एवं देश की प्रतिभाशाली बेटियों का जमावड़ा जिले में होने जा रहा है। अवसर है स्व. नेहा अभिषेक श्रीवास्तव की स्मृति में आयोजित मणिकर्णिका सम्मान समारोह का। पिछले तीन वर्षों से डॉ वसंत श्रीवास्तव एवं एडवोकेट नीरजा श्रीवास्तव अपनी बेटी नेहा श्रीवास्तव की स्मृति में बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति के संयोजन में मणिकर्णिका सम्मान समारोह का आयोजन कर रहे है। हर बार मणिकर्णिका सम्मान नए कीर्तिमान रच रहा है। इस बार भी यह सम्मान समारोह खास होगा क्योंकि पदमश्री दुर्गा बाई व्योम, मिलेट क्वीन लहरी बाई, पर्वतारोही गौरी अंजारिया, विलक्षण प्रतिभा की धनी लोक कलाकार नरबदिया बाई के अलावा देश, प्रदेश की अग्रणी महिलाओं से पूरी दुनिया को रुबरु कर रही स्वयंसिद्धा वेबसाईट की संपादक सारिका ठाकुर एवं सह सम्पादक सीमा चौबे भी समारोह में शिरकत कर ही है।

रामकृष्ण बगिया में होगा मणिकर्णिका सम्मान समारोह- सम्मान समारोह के संबंध में समाजसेवी मनीष दीक्षित ने बताया कि मणिकर्णिका सम्मान समारोह अपरान्ह 3 बजे रामकृष्ण बगिया में होगा। श्री दीक्षित ने नगर एवं जिले वासियों से विशेष रुप से अनुरोध किया है कि देश की प्रतिभाशाली बेटियों के संघर्ष की कहानी रुबरु सुनने, उन्हें जानने का यह अवसर है, इस कार्यक्रम में अपनी बेटियों के साथ अवश्य शामिल हो। संभव है कि अलग-अलग क्षेत्रों में कीर्तिमान रचने वाली बेटियां जिले की बेटियों के लिए प्रेरणा बन जाए और आगे चलकर जिले की बेटियों को भी हम कीर्तिमान रचते हुए देखें। आयोजन समिति श्रीवास्तव दम्पत्ति सहित कांति शिवा मल्टी प्लेक्स के संचालक विवेक मालवी, धीरज बोथरा बोथरा शॉपिंग सेंटर, अतुल गोठी होटल आईसीइन, धीरज हिराणी एच मार्ट अपना मार्ट, अभिमन्यु श्रीवास्तव महाप्रबंधक एमपी विनियर्स प्राईवेट लिमिटेड, राजेश आहुजा आदित्य होण्डा शोरुम,डॉ कृष्णा मौसिक आरके मेमोरियल हास्पीटल, पगारिया स्टेशनरी एंड स्पोर्ट्स के संचालक हेमंत पगारिया, समाजसेवी मनीष दीक्षित एवं बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति अध्यक्ष गौरी पदम, सचिव भारत पदम, कोषाध्यक्ष जमना पंडाग्रे, सह सचिव ईश्वर सोनी एवं सभी सदस्यों ने कार्यक्रम में उपस्थिति होने का अनुरोध किया है।

यह बेटियां कहलाएंगी मणिकर्णिका

स्व. नेहा अभिषेक श्रीवास्तव की स्मृति में आयोजित मणिकर्णिका-2024 सम्मान समारोह में पदमश्री दुर्गा बाई व्योम भोपाल, मिलेट क्वीन लहरी बाई डिंडोरी, नरबदिया बाई दिव्यांग लोक चित्रकार, पर्वतारोही गौरी अरजरिया, स्वयं सिद्धा वेबसाईट की संपादक सारिका ठाकुर एवं सह सम्पादक सीमा चौबे, नक्सली क्षेत्र में बच्चों में सिकल सेल पर कार्य कर रही डॉक्टर वंदना सचिन महिन्द्रकार, ब्रम्हकुमारी बीके मंजू दीदी, कवियत्री एवं डेंटल सर्जन डॉ प्रार्थना पंडित मालवीय, वरिष्ठ समाजसेवी एवं गर्वमेंट गर्ल्स कॉलेज से सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ उषा द्विवेदी, अपहरणकर्ताओं के चंगुल से गांव की बेटी को सुरक्षित बचाने वाली सरपंच नीतू काकोडिया, सहायक आयुक्त शिल्पा जैन, एएसपी कमला जोशी, एसडीओपी शालिनी परस्ते, घोड़ाडोंगरी चौकी प्रभारी आम्रपाली दहात, एसआई सोनम साहू, शासकीय अस्थि बाधित छात्रावास सह शाला की अधीक्षक डॉ सीमा भदौरिया, वन विद्यालय बैतूल की प्रशिक्षक एसीएफ तरुणा वर्मा, ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी अंकिता मिश्रा, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ मेघा वर्मा, वर वधु एवं शिक्षिका संगीता आहके, जिले की पहली महिला जिम संचालक आभा तिवारी, ग्राम वन समिति चिचढ़ाना की अध्यक्ष बिस्सो बाई कंगाले, बीसी सखी पूनम मासोदकर, श्रीश्री ज्ञान मंदिर की प्राचार्य जयश्री शाह, स्टार फीमेल म्यूजिकल ग्रुप की अध्यक्ष एवं शिक्षिका संगीता राठौर, सीए श्रुति सुराना, सीए दिव्या खण्डेलवाल, लोक कालाकार गायिका आरती परते, इंटरनेशल लाठी में स्वर्ण पदक विजेता गुंजन बुंदेले को वर्ष 2024 का मणिकर्णिका सम्मान गरिमामय कार्यक्रम में दिया जाएगा।

हिमांशु सिंह ठाकुर का असिस्टेंड डायरेक्टर के लिए चयन

यूपीएससी ने 12 पद के लिए आयोजित की थी परीक्षा

बैतूल। वरिष्ठ पत्रकार अनिल सिंह ठाकुर एवं उषा सिंह के पुत्र हिमांशु सिंह ठाकुर ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स में असिस्टेंड डायरेक्टर (कॉरपोरेट लॉ) पद के लिए आयोजित परीक्षा आज पास कर ली। यूपीएससी ने 12 पद के लिए दिसंबर 2023 में लिखित परीक्षा आयोजित की थी। जिसमें सफल होने के बाद बीते माह 21 अगस्त को यूपीएससी भवन दिल्ली में हिमांशु का साक्षात्कार हुआ था। जिसका आज परिणाम घोषित हुआ, जिसमें हिमांशु की ऑल इंडिया दसवी रैंक आई। हिमांशु सिंह अंर्तराष्ट्रीय वालीवॉल खिलाड़ी स्व. नारायण सिंह ठाकुर के पोते, प्रसिद्ध शिक्षाविद् के.बी.सिंह (पाथाखेड़ा) के नाती, वर्ष 2014 में यूपीएसएसी की सिविल सेवा में सफल रहे अजित सिंह ठाकुर के भाई तथा सुरेन्द्र सिंह ठाकुर एवं वीरेंद्र सिंह ठाकुर के भतीजे है। हिमांशु ने प्रारंभिक शिक्षा सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में करने के उपरांत एशिया के सबसे पुराने (वर्ष 1855) शासकीय विधि महाविद्यालय (जीएलसी) मुंबई में पांच वर्षीय लॉ की पढ़ाई की थी। हिमांशु सिंह को मिली सफलता पर अनेक लोगों ने उन्हें एवं ठाकुर परिवार को बधाई दी है।

एनसीसी की छात्राओं ने शुरू किया स्वच्छता अभियान

बैतूल। 5 एमपी बालिका बटालियन नर्मदापुरम के तत्वावधान में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के संरक्षण में एनसीसी का लेफ्टिनेंट डॉ. कमलेश अहिरवार के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी डॉ. सुखदेव डोंगरे द्वारा महाविद्यालय परिसर में एनसीसी की 80 कैडेट्स द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया। डॉ. सुखदेव डोंगरे द्वारा उपस्थित सभी छात्राओं को 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर स्व'छ साफ सुथरा रखने की शपथ दिलाई। डॉ. विजेता चौबे ने कहा महात्मागांधी का सपना था कि हम भारत को स्वच्छ बनाएंगे। डॉ. कमलेश अहिरवार ने कहा स्वामी विवेकानंद विद्यार्थी को स्वच्छता के लिए प्रेरित करते थे। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा आसपास की स्वच्छता करने से अपना शरीर, मन एवं दिमाग में अच्छे विचार आते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीक्षा अंडर ऑफिसर, पल्लवी, सोनाली देशमुख, सारजेंट पूनम महस्की, पूजा वराठे आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा 20 सितंबर को

बैतूल। जिले के किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के आव्हान पर 20 सितंबर को जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा सुबह 11:30 जिला मुख्यालय स्थित बडोरा कृषि मंडी से शुरू होगी। इस किसान न्याय यात्रा में मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता एवं बैतूल जिला किसान न्याय यात्रा के प्रभारी राजकुमार केलु उपाध्याय विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अनुराग मिश्रा ने बताया कि अतिवृष्टि के चलते सोयाबीन और धान की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। सोयाबीन की फसल उग नहीं रही है जिससे लागत दोगुनी हो गई है। सोयाबीन के दाम बढ़ाने एवं अन्य मांगों को लेकर उक्त किसान न्याय यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें श्री मिश्रा ने कांग्रेस सेवा दल के सभी जिला पदाधिकारी एवं सभी ब्लॉक अध्यक्षों सहित सेवा दल के सभी साथियों से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

शासकीय विद्यालय में विशेष श्रमदान दिवस पर हुए अनेक कार्यक्रम

बैतूल / मुलताई। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अंतर्गत विशेष श्रमदान दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता राजपूत ने कार्यक्रम का संचालन किया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वर्षा खुराना, डॉ. नरेंद्र हनोते, प्रो. कालभोर ने स्वच्छता पर व्याख्यान दिया। प्रो कालभोर ने छात्र छात्राओं को बताया कि हमें अपने आस पास के वातावरण को स्वच्छ रखते हुए अन्य सार्वजनिक स्थलों की साफ सफाई का भी ध्यान रखना है। डॉ.अभिनीत सरसोदे ने बताया कि वृक्षारोपण करने के साथ साथ पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पॉलिथिन का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए डॉ. वर्षा ठाकरे ने बच्चों को गुटखा तंबाकू का सेवन न करने एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की बात कही। इस अवसर पर एनएसएस के पुरुष इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एल एल राउत ने कार्यक्रम में सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर में छात्र छात्राओं एवं स्टॉफ के द्वारा साफ सफाई का कार्य भी किया गया जिससे परिसर में स्वच्छता का वातावरण बना रहे। इस अवसर पर प्रो. अंजलि सौदागर, प्रो. प्रियंका मोहबे, प्रो. प्रकाश गीते, डॉ. दीपिका पिपरदे , गीता साहू एवं समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

चोपना के दोहरे हत्याकांड का खुलासा, दो नाबालिग समेत 3 गिरफ्तार

बैतूल। जिले की चोपना पुलिस ने चोपना थाना क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। हत्या की वजह जादू-टोना के संदेह को बताया जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने 2 नाबालिगों समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि 13 सितंबर 2024 को थाना चोपना में सूचना प्राप्त हुई कि पुत्तीढाना के पास जंगल में दो व्यक्तियों के शव पड़े हैं। सूचना पर निरीक्षक सरविंद्र धुर्वे, एएसआई राजेश कलम, प्रधान आरक्षक ज्ञानसिंह टेकाम, आरक्षक आशुतोष, नितेश, कमलेश उईके के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर धन्नू धुर्वे पिता स्वर्गीय मकड़न धुर्वे, उम्र 65 वर्ष, निवासी पुत्तीढाना और विस्सू परते पिता सम्मू परते, उम्र 55 वर्ष, निवासी बजरंग कॉलोनी, गौशाला के पास, घोड़ाडोंगरी मृत अवस्था में पाए गए। घटना की

गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस रोशन जैन, प्रभारी सीन ऑफ क्राइम-एफएसएल बैतूल निरीक्षक आबिद अंसारी द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी कराई जाकर वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की गई। घटनास्थल के सूक्ष्म निरीक्षण के बाद पाया गया कि दोनों मृतकों को किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार और भारी हथियार से सिर और शरीर पर हमला कर हत्या की है। घटनास्थल पर मृतकों के सिर के पास भारी मात्रा में खून पड़ा था। धन्नू की झोपड़ी में कपड़ों और जमीन पर खून के धब्बे मिले। धन्नू का शव झोपड़ी से 14 फीट की दूरी पर पांव पैदल रास्ते पर पाया गया। विस्सू परते का शव धन्नू से 135 फीट की दूरी पर उसी रास्ते पर मिला। शवों से बदबू आ रही थी। दोनों शव करीब 2 से 3 दिन पुराने प्रतीत हो रहे थे। मामला हत्या का प्रतीत होने से मर्ग क्रमांक 29-24 एवं 30-24 धारा 194 बीएनएस का पंजीबद्ध कर जांच उपरांत हत्या की देहाती नालसी लेख कर कार्यवाही की गई। बाद में असल अपराध क्रमांक 276-2024 धारा 103 (1) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपी के विरूद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी के निर्देशन में अज्ञात आरोपियों की खोज के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आसपास के लोगों और ग्रामीणों से जानकारी एकत्र की। जांच में यह जानकारी सामने आई कि मृतक धन्नू धुर्वे के साथ ग्राम के लिप्पू की जादू-टोने के कारण रंजिश थी।

सुभाष वार्ड में हाई टेंशन लाइन के नीचे अतिक्रमणकारियों का आतंक, बिजली कंपनी के नोटिस का भी नहीं असर

सक्षम लोग सरकारी जमीन पर कर रहे कब्जा, कलेक्टर से शिकायत

- **वार्डवासियों ने पूर्व में कई बार की शिकायत, लेकिन नहीं हुई कोई कार्यवाही**

बैतूल। शहर के सुभाष वार्ड में हाई टेंशन लाइन के नीचे हो रहे अवैध अतिक्रमण से वहां के रहवासी भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने कलेक्टर से शिकायत की है कि उनके वार्ड में सरकारी जमीन पर अतिक्रमणकारियों ने अवैध तरीके से मकान बना रखे हैं। खास बात यह है कि ये अतिक्रमणकारी गरीब नहीं, बल्कि सक्षम लोग हैं, जिनके पास अपने निजी मकान के साथ क्रेन, ट्रैक्टर और फोर व्हीलर भी है। मकान को उन्होंने किराए पर दे रखा है और यहां कब्जा कर रखा है। अतिक्रमणकारियों में से कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोग भी हैं, जो वार्ड के निवासियों के लिए आए दिन समस्याएं खड़ी करते हैं।

शिकायतकर्ताओ ने बताया कि उनके घर के सामने हाई टेंशन लाइन के नीचे अतिक्रमण हो रहा है, जिससे बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। बिजली कंपनी द्वारा इन अतिक्रमणकारियों को कई बार नोटिस भी दिया जा चुका है, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ है। इनमें से कई लोग सरकारी नौकरी में भी कार्यरत हैं और उन्होंने अपने घरों को किराए पर देकर यहां कब्जा कर रखा है। वार्ड के लोगों ने नगर पालिका और राजस्व विभाग में भी शिकायत दर्ज करवाई है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

शिकायतकर्ताओं ने बताया कि कुछ अतिक्रमणकारी अपराधी भी हैं। इनमें दीपेंद्र नामक अपराधी भी शामिल हैं, जो जिला बदर हो चुका है। हाल ही में वह पिस्टल के साथ भी पकड़ा गया था। ऐसे लोगों के कारण वार्ड में डर और भय का माहौल है। आए दिन चोरी और अपराधों की घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोग डरे हुए हैं।

जनसुनवाई में भी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ नहीं हो रही कोई सुनवाई- सुभाष वार्ड के लोगों ने बताया कि वे कई बार जनसुनवाई में भी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। इन अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे रोड पर ही ईंट, गिट्टी और रेत डाल देते हैं, जिससे राहगीरों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, जब भी कोई इनसे कुछ कहता है, तो ये लोग झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हैं। वार्ड के लोग अब कलेक्टर से न्याय की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि वार्ड में अमन-चौन लौट सके।

हाई टेंशन लाइन के नीचे घरों का निर्माण, बड़ी दुर्घटना की आशंका- बिजली कंपनी द्वारा नोटिस दिए जाने के बावजूद, अतिक्रमणकारी हाई टेंशन लाइन के नीचे मकान बना रहे हैं। इस अवैध निर्माण से बिजली के तारों के टूटने का खतरा है, भविष्य में बड़ी दुर्घटना भी हो सकती है। वार्ड के लोगों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि इस समस्या को जल्द से जल्द सुलझाया जाए, ताकि वे भयमुक्त जीवन जी सकें। इसके अलावा, अवैध ईंट भट्ठे से उठने वाले धुएं के कारण वार्ड का वातावरण भी खराब हो रहा है। लोगों का कहना है कि ईंट भट्ठे से निकलने वाला धुआं उनके घरों में घुसता है, जिससे उन्हें सांस लेने में दिक्कत होती है। प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस अवैध भट्ठे को बंद करवाया जाए और इलाके को अतिक्रमण मुक्त बनाया जाए।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिए थे अवैध ईंट भट्टा बंद करने के निर्देश- मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की टीम द्वारा हमलापुर डिपो सुभाष वार्ड, जिला बैतूल में स्थित एक ईंट भट्ठे का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि बनवारी प्रजापति द्वारा रहवासी क्षेत्र के समीप लाल ईंटों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे वहां रहने वाले लोगों को वायु प्रदूषण के कारण आंखों में जलन और सांस संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ईंट निर्माण के दौरान लकड़ी और कोयले का उपयोग किया जाता है, जिससे उत्पन्न धुआं वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। शिकायतकर्ता और अन्य निवासियों की शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, क्षेत्रीय अधिकारी के.एन. कटारे ने इस भट्ठे को तत्काल बंद करने और अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की अनुशंसा की है, ताकि शहरी वायु गुणवत्ता को संरक्षित रखा जा सके।

पीएम स्व निधि योजना में बैतूल नपा पुरस्कृत

बैतूल। बैतूल नगर पालिका हमेशा प्रदेश स्तर पर किसी न किसी शासन की योजनाओं में बाजी मारी है जिसका उदाहरण आए दिन सुनने और देखने को मिलता है । कुछ ऐसा ही एक बड़ी उपलब्धि पीएम स्व निधि योजना में बैतूल नगर पालिका को अवार्ड हासिल हुआ है जिसमें भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय एक गरिमामय कार्यक्रम में बैतूल सीएमओ ओमपाल सिंह भदोरिया और डे एनयुएलएम के प्रभारी सिटी मिशन मैनेजर हंसराज मसतकर और सामुदायिक संगठकों को पैसा अवार्ड से सम्मानित किया है ।

नगर पालिका बैतूल के डे एनयूएलएम के प्रभारी सिटी मिशन मैनेजर हंसराज मसतकर ने बताया कि पीएम स्व निधि योजना अंतर्गत योजना प्रारंभ से वर्तमान तक नगर पालिका परिषद में 10,20 और 50 हजार के ऋण प्रकरण के वितरण में विशेष उपलब्धि हासिल की है । बैतूल नगर पालिका को प्रदेश भर के नगरीय निकायों में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है जो कि बैतूल नगर पालिका के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि 16 सितम्बर दिन मंगलवार को भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे मिंटो हाल में पैसा अवार्ड अंतर्गत प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री विजय विजयवर्गीय द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। यह अवार्ड बैतूल नगर पालिका के सक्रिय मुख नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदोरिया के मार्गदर्शन में तथा हमारे डे एनयूएलएम के कर्मचारियों की मेहनत के कारण ही प्राप्त हुआ है। नगर पालिका बैतूल द्वारा अब तक 10 हजार के 5800, 20हजार के 1300 एवम 50हजार के 450 प्रकरणों का वितरण किया जा चुका है।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का करें शत-प्रतिशत निराकरण : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बुधवार को टीएल बैठक में समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने अगस्त माह में सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

कलेक्टर ने समस्त सामाजिक सुरक्षा पेंशनों के हितग्राहियों का समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी दो दिनों में शत प्रतिशत किए जाने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। इसके अलावा एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि जिले में जितने भी पौधे लगाये गये हैं उनकी फोटो वायुदूत एप्प पर अपलोड करें। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में गंभीरता एवं अति संवेदनशीलता के साथ काम करें और शिकायतों के निराकरण में तेजी लाए। पीएम श्री एम्बुलेंस योजना, बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण तथा आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा कर कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को आगामी 25 सितंबर तक 100 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के निर्देश दिए।

स्कूल बसों की जांच के दिए निर्देश- कलेक्टर ने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि वे पुलिस के साथ समन्वय कर स्कूल बसों की जांच करें और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाली बसों को जब्त करने की कार्यवाही करें। साथ ही कॉलेज के विद्यार्थियों के ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाने के लक्ष्य को पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में शासन के निर्देशों के अनुरूप प्रातः 10 बजे सभी कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कार्यालयों में सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

जीवनदायिनी मां नर्मदा की प्रतिमा के भविष्य को लेकर चौक-चौराहों पर चर्चा गर्म...

नर्मदापुरम। आखिर नगर के जिम्मेदारों को हो क्या गया बगैर सोचे समझे जो अपनी जुगत में नगर को ऊपर-नीचे किए दे रहे फिर भी सब ख़ामोश है..! नगरपालिका तो मानों पूरी मदहोश हैं, जबसे अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर विरोध सामने आया नगर की हालत और गंभीर हो चली, दस दिन बीत गए गणेश उत्सव मनाया जा चुका नगरपालिका खंबों पर लाइट लगा नहीं पाई, त्योहार में तीसरी दफा परिषद कार्यकाल में श्रद्धालु नागरिक सब सड़कों पर चलने वाहनों की रोशनी में आवाजाही के लिए मजबूर हुए खंबों पर लाईट नहीं जलाई गई, मोहल्ले अंधेरे में रहे, हाईमास्ट लगाने में कमीशन बनाया वो भी पूरी तरह नहीं जल पाए। धार्मिक नगरी घोषित करवाने को मुख्यमंत्री के पीछे पड़े रहने वाले मीट मटन मार्केट के लिए शहर बीच जगह ढूंढने लगे.. स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाने के लिए (दिखावे के लिए) हाथों में झाड़ू थाम ली, पखवाड़ा सुझाव में आमंत्रित अतिथि की बेइज्जती करवाने में कसर नहीं छोड़ी, सड़कों पर गड्ढों के कारण चलना दूभर हो गया, अमृत पेयजल की फूटी लाईनों से हजारों लीटर पानी बह रहा जिनकी मरम्मत नहीं करा रहे, अंडर ग्राउंड सीवरेज लाइन के लिए खोदी गई सड़क ठीक नहीं हो पाई, बगैर लाइट का अव्यवस्थित सब्जी बाजार व्यवस्थित नहीं हो रहा , सरकारी जमीन पर मीना बाजार लग गया, बजरिया स्कूल का मलबा हटाया नहीं जा सका, इस सबके बावजूद भोपाल चौराहे पर अब सौन्दर्य करण के नाम पर मां नर्मदा की प्रतिमा लगाने की झक नगरपालिका पर सवार हो गई। जबकि भोपाल में स्थापित प्रतिमा का नाम नर्मदा रखने पर सरकार की बवंडर रोकने में सांस फूल गई थी। आखिर नगर में जन उपयोगी, जन हितैषी और व्यवस्थाओं के काम काज पूरे नहीं करके जन भावनाओं के विरुद्ध नगरपालिका ऐसे काम क्यों चुन लेती जिसकी सुगबुगाहट निर्जीव जनप्रतिनिधियों के नगर जन्म लेती है। आज नगर में खड़ी प्रतिमाओं की नगरपालिका कितनी साज सहेज करती है, जिन्हें साल में एक बार धोया पोंछा जाता है, राष्ट्रीय वैचारिक इन नेताओं की प्रतिमाओं को अंधेरे में रहना होता है। जिनके नीचे आवारा तत्व जाम छलकाते, अब तक यह मजाक आम आदमी खासकर पार्टी का ईमानदार कार्यकर्ता सहता आ रहा पर अब तो हद हो गई किसी तरह का विरोध मुखर नहीं होने से जीवनदायिनी मां नर्मदा की प्रतिमा भोपाल तिराहे पर धूल धूसरित करने के सपने नपा के जिम्मेदार सजाने लगे। मां नर्मदा की प्रतिमा के भविष्य को लेकर इससे चौक चौराहों पर चर्चा गरमा गई।

समीपवर्ती ग्राम अकोला टोला में इनामी चौपड़ प्रतियोगिता संपन्न, नर्मदापुरम जिले की 95 टीमों ने भाग लिया

सुबह सवेरे सोहागपुर।
समीपवर्ती ग्राम अकोला टोला मे भव्य इनामी चौपड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में नर्मदापुरम जिले की 95 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का समापन कांग्रेस के सोहागपुर विधानसभा के प्रत्याशी रहे पुष्पराजसिंह पटैल, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, सरपंच सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,दमनसिंह ठाकुर, संजय अहिरवार, दौलतराम अहिरवार, समाजसेवी गणेश अहिरवार सोहागपुर आदि के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता गेंदालाल अहिरवार ने की।आयोजन समिति के समाजसेवी गणेश अहिरवार सोहागपुर ने इस प्रतिनिधि को बताया कि 3 दिनों तक चलने वाली चौपड़ प्रतियोगिता में नर्मदापुरम जिले की 95 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में ग्राम सोना के ओमप्रकाश बरगले प्रथम स्थान प्राप्त किया।दिलीप अहिरवार पचलावड़ा दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे स्थान पर पिपरिया की टीम एवं चौथा स्थान चौराहेट की टीम को दिया गया। इस अवसर पर पहलवान अहिरवार मोतलसिर, संतोष अहिरवार,मदन बामने भटगांव, मुकेश लौंगरे, बलराम भाई बाबई,बारेलाल अहिरवार,बैजनाथ अहिरवार, धर्मेंद्र अहिवार,राजेश अहिरवार,गोपीलाल अहिरवार, रामस्वरूप अहिरवार, पप्पू अहिरवार, मुन्नालाल अहिरवार,साहबलाल,कलीराम देवेंद्र, छन्नू वंशकार आदि उपस्थित थे। ग्राम अकोला के निलेश सिंह ठाकुर ने चौपड़ प्रतियोगिता समिति को सहयोग दिया। इस अवसर ग्राम अकोला के अलावा आस-पास के चौपड़ प्रेमी भारी संख्या में उपस्थित थे।

विभाग स्तरीय खेलकूद समारोह बैतूल में सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर के छात्रों ने प्राप्त किए गोल्ड मेडल

सुबह सवेरे सोहागपुर। विभाग स्तरीय खेलकूद समारोह बैतूल में सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर के भैया बहनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करके संस्था का नाम गौरवान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि प्रथम स्थान पर चयनित भैया बहनों को शिवपुरी में 20 से 22 सितम्बर तक प्रान्त स्तरीय खेलकूद समारोह में सहभागी होने का अवसर प्राप्त हुआ है । प्राचार्य अशोक कुमार दुबे ने इस प्रतिनिधि को बताया कि विभाग स्तरीय

खेलकूद प्रतियोगिता बैतूल में पुरस्कार विजेता प्रथम रूबी पाल किशोर वर्ग 200 मीटर दौड़ ,प्रथम निधि रघुवंशी किशोर वर्ग भाला फेंक,प्रथम शौर्य दीक्षित किशोर वर्ग100 मीटर दौड़-प्रथम, 200 मीटर दौड़-प्रथम एवं लंबी कूद में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया।

तारासिंह धानक किशोर वर्ग1500 मीटर दौड़ एवं 400 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।शिवम कहार तरुण वर्ग 100 मीटर दौड़ एवं 110 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इससे सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र छात्राओं में उल्लास का माहौल बन गया है कि। खेल-कूद में सोहागपुर सरस्वती मंदिर के छात्र उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। प्राचार्य अशोक कुमार दुबे,जीवन दुबे,खेल शिक्षक पंचम,नागवंशी निकिता कुशवाहा,ममता यादव, शिवनंद ठाकुर,संतोष पटैल, कीर्ति चौरसिया, सीता विश्वकर्मा,नीता भावसार, सुखलाल पटैल, आदि आचार्य, दीदियों ने भैया बहनों को बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है । अतिथियों ने छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

विधायक श्री महेन्द्र नागेश ने दिलाई स्वच्छता बनाये रखने की शपथ

नरसिंहपुर। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता थीम पर स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 74 वे जन्मदिवस के अवसर पर जनपद पंचायत गोटेगांव में आयोजित कार्यक्रम में विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश शामिल हुए। उन्होंने यहां नागरिकों को स्वच्छता बनाये रखने की शपथ दिलाई और प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृति पत्र प्रदान किये। इस दौरान स्वच्छता कर्मियों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी श्री सरदार सिंह पटैल, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, सीईओ जनपद सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक मौजूद थे।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का वर्चुअल शुभारंभ हुआ

नरसिंहपुर। नागरिकों को सस्ती जेनेरिक दवाएं देने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का शुभारंभ प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्चुअली रूप से किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण अस्पताल परिसर में देख व सुना गया। जिला चिकित्सालय में स्थापित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले एवं पूर्व मंत्री श्री जालम सिंह पटेल ने किया। साथ ही उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत ज़िला अस्पताल के सफ़ाईकर्मियों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि जन औषधि केंद्र से सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां मिलेगी। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोग सस्ती जेनेरिक दवाओं का लाभ उठा सकेंगे। अब सभी ज़िला चिकित्सालयों में भी प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से मरीजों को ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 से 90 प्रतिशत तक कम दाम पर दवाइयां उपलब्ध होंगी। पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि गरीब परिवारों के हितग्राहियों को इलाज के लिए मार्केट से महंगी कीमतों में दवाई खरीदनी पड़ती हैं, उनकी समस्याओं को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र खोले गए हैं। इन केन्द्रों पर विभिन्न प्रकार की जेनेरिक दवाएं अब कम दामों में मिलेंगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा आयुष्मान कार्ड योजना के माध्यम से गरीब परिवारों के हितग्राहियों को 5 लाख रूपये तक का ईलाज दिया जा रहा है।

कोठी बाजार नर्मदापुरम में भोजन प्रसादी निरंतर जारी

नर्मदापुरम। नगर में कोई भूखा ना रहे यह प्रयास और संकल्प जन सहयोग और दान राशी के सहयोग से निरंतर जारी है नर्मदा परिक्रमा वासी, भिक्षुक, असहाय, निर्धन जरुरत मंद लोगों को यहां प्रति दिन भोजन प्राप्त हो रहा है। श्राद्ध पक्ष में अन्नदान करने के इच्छुक व्यक्ति भी यहां आकर भोजनशाला में सहयोग राशि देकर गरीबों को भोजन कराते हैं। भोजन वितरण के संचालक संजय त्रिपाठी ने बताया कि विगत कई वर्षों से हमारा यह प्रयास जारी है नर्मदा मैया के आशीर्वाद से अनवरत जारी है।

कुशवाहा समाज ने भाजपा नेता, समाजसेवी विशाल गोलानी का किया सम्मान

सुबह सवेरे सोहागपुर। सामाजिक जागरूकता, देशभक्ति से ओतप्रोत आयोजन एवं समाज हित में कार्य करने वाली कुशवाह-मौर्य क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष बाबूजी राजेश कुशवाहा, जिला सचिव राजेश मौर्य, संभागीय संयोजक नरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, संभागीय उपाध्यक्ष राजेश कुशवाहा एवं अशोक कुशवाहा, जिला सहसचिव अजय मौर्य, आनंद कुशवाहा ने भाजपा नेता एवं समाजसेवी विशाल गोलानी का अभिनन्दन पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बाबूजी राजेश मौर्य ने बताया कि कुशवाहा - मौर्य क्षत्रिय समाज एक पंजीकृत सामाजिक संस्था है जिसकी संबद्धता प्रांतीय कुशवाहा समाज भोपाल एवं अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा नई दिल्ली से है। ग्राम करनपुर में जनसहयोग एवं विधायक निधि से समाज का भवन तैयार हो रहा है। उक्त भवन का उपयोग जनउपयोगी एवं सामाजिक कार्यों के लिए किया जाएगा ।

सांईखेड़ा में आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री श्री सिंह

नरसिंहपुर। स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता की थीम पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत प्रदेश के परिवहन व स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह जनपद पंचायत सांईखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन है। उनके जन्मदिन के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसकी थीम है स्वभाव ही स्वच्छता- संस्कार ही स्वच्छता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की दूरगामी सोच है कि हमारे स्वभाव में स्वच्छता शामिल है। इसकी ज़रूरत हमें और हमारे समाज को है। भारत और भारतीयता का विकास ही उनकी सोच का हिस्सा है। उनके इस स्वप्न को साकार करने के लिए हमें अपने स्वभाव एवं संस्कार में इसे शामिल कर स्वस्थ भारत एवं स्वच्छ भारत की परिकल्पना को पूरा करना होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश के शहर इंदौर में लोगों ने अपने स्वभाव व संस्कार में स्वच्छता को पूर्ण रूप से शामिल कर लिया है। इसलिए वह देश के स्वच्छता शहरों में अव्वल पायदान पर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस आव्हान से भारत एवं दुनिया में बदलाव देखने को मिला है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार हर वर्ग की चिंता कर रही है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पाँच लाख रुपये तक का इलाज हो रहा है। एयर एम्बुलेंस के माध्यम से इमरजेंसी में बीमार व्यक्ति को एयर लिफ्ट भी किया जा रहा है। मंत्री सिंह ने बताया कि जब वे वर्ष 1994 में जनपद अध्यक्ष थे तब आवास निर्माण के लिए पाँच हज़ार रुपये की राशि मिला करती थी। उसके बाद इंदिरा आवास योजना अंतर्गत 35000 रुपये की राशि दी जाने लगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह समझा कि व्यक्ति के लिए पक्का आवास होना बहुत ज़रूरी है। इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत हुई। अब ग्रामीण क्षेत्र में 1.50 लाख रुपये की राशि दी जाने लगी है। आज प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को उनकी पहली किश्त का भी अंतरण किया जा रहा है। इस कड़ी में साईंखेड़ा जनपद के 870 हितग्राहियों को आवास की पहली किश्त की राशि भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं प्रदेश मुखिया डॉ. मोहन यादव को इसके लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यहाँ उन्होंने जनपद पंचायत सीईओ को निर्देशित किया कि साईंखेड़ा जनपद अन्तर्गत जिन गावों में एक भी आवास नहीं मिला है, उनकी सूची कारण के साथ प्रस्तुत करेंगे।

मंत्री श्री सिंह ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमदान में की सहभागिता

स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता की थीम पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत मंत्री श्री सिंह ने सांईखेड़ा में दादा धूनी दरबार मंदिर परिसर की साफ- सफाई कर श्रमदान किया। इस दौरान पूर्व विधायक श्रीमती साधना स्थापक, नगर परिषद सांईखेड़ा अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों ने भी श्रमदान किया। इसके पश्चात मंत्री श्री सिंह ने संयुक्त तहसील कार्यालय पहुंचकर पौधरोपण किया। विदित है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।

सीएम राइज स्कूल के विद्यार्थियों से किया संवाद

परिसर में मौजूद सीएम राइज स्कूल के बच्चों से संवाद किया। मंत्री श्री सिंह ने बच्चों से आज के दिन के बारे में पूछा। बच्चों ने बताया कि आज गंगा दशहरा एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिवस है। इस अवसर पर बच्चों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए जियो हजारों साल गाना भी गुनगुनाया। मंत्री श्री सिंह ने भी बच्चों के साथ यह गाना गाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पीएम श्री स्कूल व सीएम राइज स्कूल प्रारंभ करवाये हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि यहाँ बनने वाली सीएम राइज स्कूल की बिल्डिंग ज़िले की सबसे अच्छी स्कूल बिल्डिंग होगी।

ग्राम पंचायत रम्पुरा में खुलेगा हाई स्कूल, 50 लाख रुपये स्कूल भवन के लिये देने की घोषणा

विद्यार्थी अब डेस्क पर बैठकर करेंगे पढ़ाई,मेधावी विद्यार्थी सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री श्री सिंह

नरसिंहपुर। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने ग्राम पंचायत रम्पुरा में हाई स्कूल भवन के लिए पचास लाख रुपये देने की घोषणा शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर रम्पुरा में आयोजित मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि गाँव में रहने वाले बच्चों को दूर जाकर पढ़ाई ना करनी पड़े, इसके लिए अब यहाँ हाई स्कूल का संचालन अगले शैक्षणिक सत्र से होगा। यहाँ माध्यमिक शाला में अध्यनरत विद्यार्थियों के लिए 75 डेस्क उपलब्ध कराने की भी बात कही। बच्चे अब टाट फट्टी पर बैठकर नहीं बल्कि डेस्क पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करेंगे। विदित है कि इस विद्यालय में 105 बच्चे दर्ज हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि यह भ्रम है कि गाँव में पढ़ाई करने वाला बच्चा आगे नहीं बढ़ सकता। हमारे सामने कई उदाहरण है जहां गाँव के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ये बच्चे आज उच्च प्रशासनिक पदों पर आसीन होकर अपनी

सेवाएँ दे रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सभी स्कूल अच्छ होते है। निजी स्कूलों से बेहतर प्रदर्शन हमारे शासकीय स्कूलों ने किया है। आवश्यकता है शिक्षक द्वारा समर्पित भाव से बच्चों को पढ़ाने की। प्रदेश के शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने प्रदेश की मेरिट सूची में अपना स्थान बनाया है। प्रदेश सरकार पुनः शासकीय स्तर पर शिक्षा को स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। अब अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के लिए चिंता करने की जरूरत नहीं है। वर्तमान दौर के अनुरूप डिजिटल एजुकेशन को महत्व दिया हा रहा है। बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए मंत्री श्री सिंह ने मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि, ज़िला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार, डीपीसी श्री देवेश वैद्य, शाला परिवार, विद्यार्थी व अभिभावक और ग्रामवासी मौजूद थे। मंत्री श्री सिंह ने कक्षा दूसरी की मेहरीस, विनायक व शबनम बी, कक्षा तीसरी की राशि, कक्षा चौथी की संध्या, सत्यम पाली व भूमि और कक्षा 5 वीं की हरिगोपाल, फेजल व आकाश नामदेव का सम्मान किया।

स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान में शामिल हुए पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल

नरसिंहपुर। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता थीम पर स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान का जिले में शुभारंभ हुआ। यह अभियान प्रदेश सहित जिले में 17 सितम्बर से शुरू होकर 02 अक्टूबर गांधी जयंती तक आयोजित किया जायेगा। इस दौरान स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में नरसिंहपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले हाई स्कूल चंदन देवी रौंसरा में पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल स्वच्छता कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में अतिथियों ने पौधारोपण कर प्रकृति

संरक्षण का भी संदेश दिया। यहां उनके द्वारा दो स्वच्छता कर्मियों का सम्मान भी किया गया। इस दौरान उन्होंने यहां मौजूद लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश को सुना। पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छता के प्रति संवेदनशील हैं तथा वह स्वयं स्वच्छता कार्यों में सहभागिता करते हुए देश वासियों को प्रेरित करते हैं। हम सभी को उनसे प्रेरणा लेकर स्वच्छता बनाये रखने में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए स्वच्छ भारत परिकल्पना को पूर्ण करने में अपना योगदान देना चाहिए।

क्षेत्रीय सांसद दर्शनसिंह के मुख्य आतिथ्य में सनफ्लावर स्कूल परिसर में किया गया शिक्षकों का सम्मान

सुबह सवेरे सोहागपुर

सनफ्लावर स्कूल परिसर में अशासकीय शिक्षण संगठन के तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह सांसद दर्शनसिंह चौधरी मुख्य आतिथ्य एवं क्षेत्रीय विधायक ठाकुर विजयपालसिंह जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटैल के अलावा कई अतिथि मंचासीन थे। इस अवसर पर अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वागत गीत सनफ्लावर स्कूल की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। विवेकानंद पब्लिक स्कूल के संचालक अनिल गहरैया ने अशासकीय शिक्षक संगठन पर सारगर्भित उद्बोधन देकर कहा कि इस संगठन 12 वर्षों से विशिष्ट भूमिका निभा रहा है।क्षेत्रीय सांसद दर्शनसिंह चौधरी ने कहा कि प्राइवेट संस्थानों के शिक्षक बहुत कम सैलरी में भी अधिक कार्य करते हैं। आज 80त्न बच्चे इन प्राइवेट स्कूलों में ही पढ़ते हैं । इन्हीं स्कूलों का रिजल्ट उत्कृष्ट आता है । वहीं इन संस्था के

शिक्षक अपने कर्म से पहचाने जाते हैं । इसी कारण उन्हें सम्मान प्राप्त होता है। कार्यक्रम अध्यक्ष विधायक विजयपालसिंह ने कहा कि हम सभी के जीवन में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमें समाज में रहने और आगे बढ़ने की सीख देने के साथ-साथ शिक्षक हमें जीवन जीना भी सिखाते हैं। शिक्षक न सिर्फ हमारे भविष्य को संवारते हैं। इसके साथ देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम को कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

सनफ्लावर एक्सीलेंस स्कूल के संचालक संदीप साहू ने बताया कि करीबन 46 अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों का सम्मान किया गया। वहीं संगठन की नई पहल , 'एक पेड़ मां के नाम सभी को देकर कहा गया कि इसे बच्चे जैसे सहेजे' इस अवसर अशासकीय शिक्षण संगठन के अध्यक्ष बलिराम प्रजापति , संगठन के पदाधिकारी,शिक्षकों के अलावा जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राइट क्लिक

दोस्ती के तकाजों के बीच खामेनेई के भारत पर आरोप के पीछे असल मंशा क्या?

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

ईरान और भारत के बीच अच्छे रिश्तों के बाद भी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई द्वारा मुसलमानों को प्रताड़ित किए जाने वाले देशों की सूची में भारत का नाम लेना सभी के लिए चौंकाने वाला है। वह भी तब कि जब ईरान पर अमेरिका द्वारा लगाए कठोर आर्थिक प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर भारत ने ईरान से व्यापारिक रिश्ते न सिर्फ कायम रखे, बल्कि उन्हें मजबूती दी है। ज्यादा हैरानी की बात है कि कथित मुस्लिम प्रताड़ना वाले देशों में उन्होंने उस चीन का नाम नहीं लिया है, जहां उइगुर मुसलमानों को नमाज पढ़ने और रोजे रखने तक की इजाजत नहीं है और जिनका बेखौफ चीनीकरण किया जा रहा है। तो क्या खामेनेई का भारत पर आरोप लगाना भारत के साथ अपने रिश्तों को बिगाड़ने की सोची समझी चाल है, भारत के साथ ईरान की एहसान फरामोशी है या फिर ऐसे बयान देकर खुद को दुनिया में मुसलमानों का एकमात्र मुसलमानों का नेता साबित करने की मंशा है?

गौरतलब है कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने पैगम्बर मोहम्मद के जन्म दिन पर आरोप लगाया कि भारत में मुस्लिम पीड़ित हैं। खामेनेई ने 16 सितंबर को एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत को उन देशों में शामिल किया, जहां मुस्लिमों को पीड़ा झेलनी पड़ रही है। इस पर भारतीय भारतीय विदेश मंत्रालय ने तत्काल कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम खामेनेई के बयान की निंदा करते हैं। यह अस्वीकार्य और पूरी तरह से भ्रामक है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अल्पसंख्यकों के मामले पर कमेंट करने वाले देशों को पहले अपने रिकॉर्ड को देखना चाहिए। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बयान को 'एक्स' पर शेयर भी किया। इसके पूर्व एक कमेंट में खामेनेई ने लिखा था कि दुनिया के मुस्लिमों को भारत, गाजा और म्यांमार में रह रहे मुस्लिमों की तकलीफ से अनजान नहीं रहना चाहिए। अगर आप उनकी पीड़ा को नहीं समझ सकते तो आप मुस्लिम नहीं हैं। खामेनेई ने आरोप लगाया कि इस्लाम के दुश्मन मुस्लमानों में फूट डालते आए हैं।

हालांकि यह पहली बार नहीं है कि जब खामेनेई भारतीय मुसलमानों के खैरख्वाह बने हैं। खामेनेई ने 2020 के दिल्ली दंगों के बाद कहा था कि भारत में मुस्लिमों का नरसंहार हुआ है। भारत सरकार को कट्टर हिंदुओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। सरकार को मुस्लिमों का नरसंहार बंद करना होगा, नहीं तो इस्लामी दुनिया उनका साथ छोड़ देगी। कश्मीर के मुद्दे पर भी खामेनेई कई बार विवादित बयान देते आए हैं। साल 2017 में खामेनेई ने कश्मीर की तुलना गाजा, यमन और बहरीन से की थी। 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के कुछ दिन बाद खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा था- 'हम कश्मीर में मुस्लिमों की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। खामेनेई 1980 में जम्मू-कश्मीर का दौरा भी कर चुके हैं। कश्मीर मामले में ईरान का रवैया भारत विरोधी ही रहता आया है। इसी साल यानी 2024 में जब ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी अप्रैल में अपने पहले पाकिस्तान दौरे पर गए थे तो दोनों देशों के साझा बयान में कश्मीर का ज़िक्र था। इस पर भारत ने ईरान के सामने आपत्ति जताई थी।'

इन सबके बावजूद भारत ने ईरान के साथ अपने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों में खामेनेई के बयानो और ईरान के रवैये को आड़े नहीं आने दिया और ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक रिश्तों को ध्यान में रखते हुए आपसी सम्बंध बेहतर बनाने पर ही जोर दिया है। जहां तक भारत में मुसलमानों की कथित प्रताड़ना की बात है तो यह धारणा तथ्यों से विपरीत है। स्थानीय कारणों से होने वाले विवाद अथवा राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को देश के 24 करोड़ मुसलमानों की प्रताड़ना से जोड़ना एक सोची समझी और दुर्भावनापूर्ण रणनीति है। गाजा में जो इजराइल कर रहा है, या म्यानमार की सैनिक सरकार वहां रोहिंग्या मुसलमानों के साथ जो सलूक कर रही है, उसके कारण अलग हैं। वैसे भी फिलीस्तीन मामले में भारत दो राष्ट्र नीति का समर्थक रहा है। हम चाहते हैं कि फिलीस्तीन और इजराइल दोनो राष्ट्र रहें। इजराइल और ईरान के बीच कट्टर दुश्मनी है। इसका कारण इजराइल को अमेरिका का अंध समर्थन और ईरान की परमाणु शक्ति बनने की अदम्य इच्छा। इससे भी बड़ा कारण ईरान की इस्लामिक जगत का नया लीडर बनने की तमन्ना है। वैसे भी आज दुनिया के 57 मुस्लिम देशों का नेतृत्व करने और खुद को मुसलमानों का सबसे बड़ा हितैषी सिद्ध करने की चार देशों में होड़ मची है। ये है- सउदी अरब, जो खुद को मुसलमानों का स्वाभावित नेता मानता है। दूसरा है, तुर्की जो हाल के वर्षों में मुस्लिम कट्टरपंथ की तरफ झुका है। तीसरा है मलेशिया, जिसने सउदी अरब की मर्जी के खिलाफ जाकर मुस्लिम देशों को इकट्ठा करने की कोशिश की थी। अब इसमें ईरान का नाम भी शामिल हो गया है। इन चारों देशों में भी ईरान अकेला शिया बहुल देश है। पिछले दिनों ने चीन ने मध्यस्थता कर ईरान और सुन्नी बहुत सउदी अरब के बीच समझौता कराके दुनिया को चौंकाया था। हालांकि इससे दोनो चिर प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच रिश्ते बहुत मधुर हो गए हैं, ऐसा नहीं है। खामेनेई के बयान के पीछे भारत और सउदी अरब के मधुर रिश्ते भी कारण हो सकता है। खामेनेई का भारतीय अल्पसंख्यक मुस्लिमों के प्रति प्रेम सही भी हो सकता था, अगर खुद ईरान में अल्पसंख्यकों के साथ मानवीय व्यवहार होता। मुस्लिम भाईचारे के तमाम दावों के बाद जमीनी हकीकत यह है कि आज दुनिया में सर्वाधिक मारकाट मुस्लिम देशों और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के बीच ही हो रही है। स्टेटा रिसर्च डिपार्टमेंट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021 से 2022 तक दुनिया भर में आतंकी घटनाओं में कुल 55 हजार 635 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश मुसलमान ही थे। मरने वाले भी और मारने वाले भी। हालांकि इसमें गजा में मारे जाने वाले मुसलमानों की संख्या शामिल नहीं है। जहां हमास- इजराइल युद्ध में 50 हजार से ज्यादा मुसलमान मारे जा चुके हैं। खुद ईरान में अल्पसंख्यक सुन्नियों, बहाइयों, पारसियों और कुर्दों के साथ क्या व्यवहार होता है, यह दुनिया जानती है। बहाइयों को तो वहां कब्रिस्तान भी नसीब नहीं होते। ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन का प्रतीक बनी महसा अमीनी की हत्या वहां की मॉरल पुलिस ने इसलिए भी की थी, क्योंकि वह कुर्द थी। कैम्ब्रिज से प्रकाशित पत्रिका 'मनारा' में हाल में ईरान में अल्पसंख्यरक सुन्नियों के हालात पर पेमान असदजादे का आंखें खोलने वाला लेख छपा है। इसमें उन्होंने बताया है कि कैसे ईरान में सुन्नियों के साथ खुला भेदभाव किया जा रहा है। सुन्नी मुसलमान ईरान में करीब 10 फीसदी हैं और देश की सबसे बड़ी अल्पसंख्यक आबादी है। ये सुन्नी ज्यादातर लारेस्तान में रहते हैं और ईरानी, बलूच, कुर्द, तुर्कमान, अरब आदि में बंटे हुए हैं। केवल ईरान के तीन प्रांतों कुर्दिस्तान, सिस्तान और बलूचिस्तान में वो बहुसंख्यक हैं। ये वो इलाके हैं, जो विकास की दौड़ में बहुत पिछड़े हैं या जिनकी ईरान सरकार द्वारा जानबूझकर उपेक्षा की जाती रही है। यहां तक देश में शिया और सुन्नियों के बीच साक्षरता दर में बहुत फर्क है। सुन्नी इलाकों में शुद्ध पेयजल तक आसानी से उपलब्ध नहीं है। जहां तक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बात है कि ईरान सरकार में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सुन्नी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व नहीं के बराबर है। ईरान में शियाओं का एक उप सम्प्रदाय बारह इमाम को मानना ही देश का आधिकारिक धर्म है। हालांकि सुन्नियों को उनका धर्म मानने की इजाजत है। सुन्नियों के दबाव के चलते हाल के कुछ वर्षों में उनका ईरान सरकार में प्रतिनिधित्व बढ़ाने की कोशिश जरूर की गई है। लेकिन सुन्नी से भेदभाव की भावना अब सुन्नी आतंकी संगठनों की हिंसक कार्रवाइयों में तब्दील होती जा रही है। वहां जैश-उल-अदल तथा जैश-उल-अंसार तथा अल-फुरकान जैसी सुन्नी आतंकवादी सगंठन दक्षिणी ईरान में सक्रिय हैं। पिछले दिनो ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जो एयर स्ट्राइक की थी, वह सुन्नी बलूची संगठनों के खिलाफ ही थी। यही हाल सुन्नी कुर्दों का भी है। ईरान सरकार उन्हें सख्तीर से कुचलती रही है।

इधर भारत में मोदी सरकार पर आरोप है कि उसके राज में देश में मुसलमानों को हाशिए पर डालने की कोशिश की जा रही है। इसमे आंशिक सच्चाई हो सकती है, लेकिन इसकी तुलना गजा, म्यानमार जैसे देशों से करना यही साबित करता है कि ईरानी सुप्रीम लीडर के लिए मुसलमान होने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। गनीमत है कि अयातुल्लाह खामेनेई और ईरान के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा यदा कदा दिए जाने वाले भारत विरोधी और मुस्लिम समर्थक बयानों के बावजूद दोनों देशों के कूटनीतिक व व्यापारिक रिश्तों पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ा है। ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम के कारण कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हैं। इसके बाद भी भारतीय नेता ईरान का दौरा करते रहे हैं। हाल में दोनों देशों के बीच हुए एक अहम समझौते के तहत ईरान के चाबहार स्थित शाहित बहिश्ती बंदरगाह का संचालन अगले 10 साल के लिए भारत ही करेगा। जिसका लाभ अफगानिस्तान को भी होगा और जिसे पाकिस्तान के ग्वादर में चीन द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह का जवाब माना जा रहा है। भारत ईरान से मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है। जबकि ईरान भारत से बासमती चावल व अन्य वस्तुएं आयात करता है। बहरहाल खामेनेई के खुले भारत विरोध के बाद ईरान के साथ हमारे रिश्ते क्या दिशा लेते हैं, यह देखने की बात है।

जबलपुर में बरगी डैम के 9 गेट खुले

भिंड के आलमपुर में बाढ़ के खतरे को लेकर मुनादी, अटलसागर बांध के दो गेट खोले गए

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, शहडोल, रीवा और सागर संभाग में एक्टिव स्ट्रॉन्ग सिस्टम आगे बढ़ गया है। अब नए सिस्टम के एक्टिव होने तक प्रदेश में हल्की बारिश, तेज धूप और छांव वाला मौसम रहेगा। मंगलवार को हुई तेज बारिश से जबलपुर के बरगी डैम के 9 गेट खोल दिए गए हैं। सभी गेट बुधवार को 1.6 मीटर तक खोले गए हैं। ग्वालियर-भिंड में आज सुबह तेज बारिश हुई। स्कूलों की छुट्टी रही। कलेक्टर रुचिका चौहान ने इसका आदेश मंगलवार देर शाम जारी किया था। यहां तिघरा बांध के पांच गेट खोले गए हैं। इससे सांक नदी उफान पर है। नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया है।

टीकमगढ़ में भी रिमझिम पानी गिरा। भिंड के गोहद में देर रात से बारिश हो रही है। यहां वैसली जलाशय फुल टैंक लेवल क्रॉस कर चुका है। कई गांवों का भिंड मुख्यालय से संपर्क टूट चुका है।

मौसम विभाग ने बुधवार को मुरैना, श्योपुर और शिवपुरी में तेज बारिश का अनुमान जताया है। एमपी में अब तक 41 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश से करीब 10 प्रतिशत ज्यादा है। मंडला, सिवनी और श्योपुर ऐसे जिले हैं, जहां 50 इंच या इससे अधिक पानी गिर गया है।

मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) और मानसून ट्रफ की वजह से प्रदेश में बारिश हो रही है। अब यह सिस्टम आगे बढ़ गया है। इससे बारिश की एक्टिविटी कम हो जाएगी।

अगले 24 घंटे में इन जिलों में बारिश- मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे में भिंड, मुरैना, श्योपुर और शिवपुरी में तेज बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रह सकती है। दूसरी ओर, नीमच, मंदसौर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और अनूपपुर में तेज धूप निकलने के आसार हैं।

जबलपुर में ऑटो पर पलटा हाईवा, सात की मौत

इनमें 2 दंपती, 3 साल का बच्चा भी

जबलपुर। जबलपुर से 70 किलोमीटर दूर चरगंवा में मजदूरों से भरे ऑटो पर हाईवा पलट गया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। इनमें दो पति-पत्नी और एक दंपती का 3 साल का बच्चा भी है। 5 से ज्यादा घायल बताए जा रहे हैं। घटना बुधवार शाम 4.30 बजे की है। घायलों को सिहोरा के अस्पताल लाया गया। यहां से गंभीर हालत में 3 को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। घटना से नाराज लोगों ने सिहोरा - कटनी स्टेट हाईवे पर चरगंवा रोड पर डेढ़ घंटे तक जाम लगाए रखा। मंझगवां थाना प्रभारी समेत सिहोरा, खितौला पुलिस थाने से पहुंचे फोर्स ने लोगों को शांत कराया। सिहोरा एसडीओपी पारुल शर्मा भी मौके पर पहुंचीं। हाईवा के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है।

सोयाबीन की कटाई कर लौट रहे थे मजदूर

ऑटो में 13 लोग सवार थे। सभी प्रतापपुर गांव के रहने वाले हैं। पास के ही खमरिया गांव से सोयाबीन की कटाई कर अपने गांव लौट रहे थे, तभी बगल से निकल रहा माइनिंग के काम में लगा हाईवा ऑटो पर पलट गया। सिहोरा से विधायक संतोष बरकड़े का कहना है कि घटना की जांच करवाई जा रही है। मृतक और घायल मजदूर परिवार से हैं। सरकार सभी की मदद के लिए तत्पर है।

हादसे में मृतक के परिजन और घायलों के लिए मदद की घोषणा

सीएम डॉ. मोहन यादव ने मृतक के परिजन को 2-2 लाख रुपए, सड़क दुर्घटना निधि से 15 हजार रुपए देने की बात कही है। संबल योजना के हितग्राही होने की स्थिति में मृतक के परिजन को 4 लाख रुपए की आर्थिक मदद अलग से दी जाएगी। सिहोरा विधायक संतोष सिंह बडकरे ने भी मृतक के परिजनों को 5 हजार रुपए की मदद की है। घायलों का नि :शुल्क इलाज और सड़क दुर्घटना निधि से 7 हजार 500 रुपए की मदद दी जाएगी।

लोग बोले- स्पीड में निकलते हैं भारी वाहन

घटना से नाराज स्थानीय लोगों का कहना है कि रोड से भारी वाहन स्पीड में गुजरते हैं। इस वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं। लोगों ने मांग करते हुए कहा कि गांव के आसपास ब्रेकर बनाए जाएं। शराब पीकर हाईवा चलाने वाले ड्राइवरों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस - प्रशासन के अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

शिक्षा मंत्री बोले-मेहमान बनकर आए, घर पर कब्जा कर लोगे क्या

उदय प्रताप ने कहा-अतिथि शिक्षकों का नियमितिकरण क्यों होगा, पीसीसी चीफ बोले-माफी मांगें

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में नियमितिकरण के लिए आंदोलन कर रहे अतिथि शिक्षकों की मांग पूरी होती नहीं दिख रही है। स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि नियमितिकरण क्यों होगा? अतिथि शिक्षकों का नाम क्या है 'अतिथि'। आप हमारे मेहमान बनकर आओगे तो घर पर कब्जा करोगे क्या?

इस बयान पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने स्कूल शिक्षा मंत्री को आड़े हाथ लिया है। पटवारी ने कहा- स्कूल शिक्षा मंत्री को माफी मांगनी चाहिए।

दरअसल, 8 हजार से ज्यादा अतिथि शिक्षक नियमितिकरण समेत 5 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने बीती 10 सितंबर को भोपाल में तिरंगा यात्रा निकालकर प्रदर्शन भी किया था। बारिश के बीच प्रदर्शन 6 घंटे तक चला था। अतिथि शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप से भी मुलाकात कर चुका है लेकिन अब तक बात नहीं बनी है।

शिक्षा मंत्री ने गेस्ट टीचर्स के नियमितिकरण के सवाल पर पत्रकारों से कहा- जहां गैप है...शिक्षक कम हैं...वहां उनको लगाया जाता है। पिछले दिनों वो आए थे। हम लोगों ने बैठक की थी। उनके जो दो-तीन विषय हैं, उन पर हम लोग काम कर रहे हैं।

हमारी कोशिश होगी कि कोई अतिथि शिक्षक लगता है तो पूरे एकेडमिक सेशन में काम कराया जाए। उनके हितों की रक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जब विभाग ये मानता है कि अतिथि शिक्षक महत्वपूर्ण हैं तो उनको चिंता नहीं करना चाहिए।

मंत्री ने कहा- भर्ती कर लेंगे तो सैलरी कहां से देंगे

स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा- वो कहते हैं कि पिछले साल 68 हजार शिक्षक थे, इस बार कम हो गए। जहां बच्चे नहीं हैं, वहां ऐसे शिक्षक पदस्थ थे। उन्हें हमने अतिशेष वाले स्कूलों में ले जाने का काम किया। एक बार युक्ति-युक्तिकरण हो जाने से 12-13 हजार शिक्षकों की कमी की पूर्ति हुई। स्वाभाविक है जहां पूर्ति हो गई, वहां अतिथि शिक्षक क्यों भर्ती करेंगे? अगर भर्ती करेंगे तो उनकी सैलरी कहां से देंगे?

सरकार और विभाग को चलाने में वित्तीय प्रबंधन और न्यायसंगत चीजों का समायोजन करना पड़ता है। चाहे शिक्षक हों, अतिथि शिक्षक हों...न्यायालयीन प्रकरण अभी पेंडिंग हैं, उनमें सरकार की तरफ से तेजी लाने के लिए हम पूरी कार्रवाई कर रहे हैं। शिक्षकों के संबंध में पूरी चिंता कर रहे हैं।

राहुल गांधी को आतंकी कहने वाले भाजपा लीडर्स का विरोध

प्रदेशाध्यक्ष बोले- थानों में लिखवा दें एफआईआर 14 दिनों में होगी

भोपाल (नप्र)। केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और यूपी सरकार के मंत्री रघुराज सिंह के राहुल गांधी पर दिए गए बयान के विरोध में आज मप्र भर में एमपी यूथ कांग्रेस प्रदर्शन करेगी। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह यादव ने सभी जिलों में प्रदर्शन की बात कही है।

बिट्टू नए-नए भाजपाई, संघी बनने ऐसे बयान दे रहे- युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह यादव ने कहा- रवनीत बिट्टू भाजपा में नए नए भर्ती हुए हैं। जो नए भर्ती होते हैं वे अपने नंबर बढ़ाना चाहते हैं। आपने राजनीति में जिस शब्दावली में आपने टिप्पणी की है मैं कहना चाहता हूं कि आप ये नंबर बढ़ाने और नए-नए संघी बनने की कोशिश में लगे हैं। इससे आप युवाओं को क्या संदेश दे रहे हैं। इससे यह समझ आता है कि अगर किसी में देशद्रोह का भाव है तो वो आप जैसे लोग हैं। जो देशद्रोह की विचारधारा को नई युवा पीढ़ी के सामने रखते है। कुछ फायदों के लिए। आपकी इस टिप्पणी के विरोध में हम पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेंगे। और ये बताएंगे कि किस व्यक्ति के खिलाफ क्या बोलना चाहिए। भाजपा में सिर्फ नंबर बढ़ाने और खास बनने की होड मची है।

थानों पर लिखवा दें - एफआईआर 14 दिन में होगी- युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह यादव ने कहा- कल हमारे नेता जीतू पटवारी थाने में एफआईआर दर्ज कराने गए थे। जिसमें एक नेता हमारे लीड़र राहुल गांधी की जीभ काटने की धमकी दे रहा है। एक नेता आतंकी कह रहा। कल एफआरआर करने के लिए पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के लिए 14 दिन का समय मांगा है।

नीमच में दिनदहाड़े कट्टे की नोक पर बैंक में लूट

बदमाशों ने की फायरिंग, गोली लगने से दो महिला घायल ; कैमरे में कैद वारदात

नीमच (नप्र)। नीमच में मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक में दिनदहाड़े लूट हो गई। दो नकाबपोश बदमाश बैंक में घुसे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से दो महिलाओं समेत तीन लोग गंभीर घायल हो गए। इसके बाद बदमाश 71 हजार रुपए लूटकर ले गए।

वारदात दोपहर साढ़े 12 बजे नीमच से करीब 20 किलोमीटर दूर चीताखेड़ा गांव की है। वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

दोनों बदमाश बाइक से आए थे। उन्होंने मुंह को रुमाल से कवर कर रखा था। दोनों ही बदमाशों ने कट्टा ले रखा था। बैंक में घुसते ही उन्होंने फायरिंग की। जिससे बैंक में मौजूद लोग घबरा गए। लूट की जानकारी लगते ही बैंक के पास ग्रामीण जमा हो गए। पुलिस भी जांच के लिए पहुंची।

दो महिला ग्राहक गोली लगने से घायल- प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि पहले तो कुछ समझ ही नहीं आया। एक बदमाश कट्टा लेकर पहले घुसा। उसके पीछे दूसरा भी आ गया। पहला वाला सीधे काउंटर की ओर बढ़ा और फायरिंग की। काउंटर पर लाइन में लगी जुम्मा बाई के पैर में गोली लगी। उनके पीछे खड़ी एक और महिला मांगी बाई जो कि पास ही के गांव में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं, उसका लुटेरों से सामना हुआ तो उस पर भी गोली दाग दी।

बदमाश से भिड़ गया बैंक का चौकीदार- पीछे से आए दूसरे बदमाश को चौकीदार बंशीलाल ने रोकने की कोशिश की। इस दौरान बदमाश ने उसके सिर पर कट्टे से वार कर दिया। चौकीदार बंशीलाल के सिर पर गंभीर चोट आई। एक बदमाश कांउटर पर पहुंचा और वहां से 71 हजार रुपए उठा लिए। इसके बाद दोनों फरार हो गए।

गोली लगने से घायल दोनों महिलाएं झूमा बाई (21) और मांगी बाई (30) को एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया है। इनके पैर में गोली लगी है। बदमाशों के हमले में घायल चौकीदार को भी जिला अस्पताल ले जाया गया है। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ग्राहक की तरह ही बैंक में आए थे बदमाश- घायल महिला के पति और प्रत्यक्षदर्शी राम प्रहलाद ने बताया कि हम रुपए निकलवाने बैंक आए थे। यहां लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, तभी दो बदमाश बैंक में ग्राहक की तरह आए। उन्होंने आते ही फायरिंग कर दी। इससे अफरा-तफरी मच गई।

श्राद्ध पक्ष शुरू

तालाबों, नदियों में अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान व श्रद्धा से जल अर्पण किया

भोपाल (नप्र)। पूर्वजों के प्रति सम्मान व श्रद्धा का प्रतीक श्राद्ध पक्ष शुरू हो गया है। पूर्णिमा व प्रतिपदा श्राद्ध भी आज था। बुधवार से से प्रत्येक दिन श्राद्ध का क्रम 2 अक्टूबर तक रोजाना चलेगा। हिंदू धर्म में वैदिक परंपरा के अनुसार,

अनेक रीति-रिवाज व व्रत-त्योहार हैं। इसी के तहत पितरों (पूर्वज) का श्राद्ध भी किया जाता है। हर साल भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि से लेकर आश्विन अमावस्या तक पितृ पक्ष होता है। इन 15 दिनों में पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध किए जाते हैं। बुधवार को प्रथम दिन पितरों को जल अर्पण किया। पितृ पक्ष के पहले दिन बड़ी संख्या में लोग नर्मदा नदी,तालाबों के घाटों पर पहुँचकर पूर्वजों को याद कर तर्पण और जल अर्पण किया।